राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,२६ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३२७ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बंगाल में BJP के शुभेंदु अधिकारी ने TMC के खिलाफ भरी हुंकार, कहा- अब कमल खिलने के बाद ही सोऊंगा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अभी से ही रैलियों और बयानबाजी का सिलसिला शुरू हो गया है। तृणमूल कांग्रेस छोड़कर हाल ही में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए पूर्व मंत्री शुभेंदू अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने भाजपा में शामिल होकर बिल्कुल सही किया और जनता ने इसे मंजूर किया है। शुभेंदु अधिकारी ने अपने गढ़ कांठी में विशाल रोड शो करते हुए घोषणा की कि वह आठ

जनवरी को नंदीग्राम में एक रैली को संबोधित करेंगे। इससे एक दिन पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का भी ऐसा ही कार्यक्रम है। उन्होंने कहा, रोड शो दर्शाता है कि मैंने सही फैसला लिया और इसे जनता की मंजूरी मिली है। रोड शो के दौरान मेचेड़ा बाइपास से सेंट्रल बस स्टैंड तक पांच किलोमीटर का सफर तय करने में लगभग तीन घंटे लग गए। रोडशो दोपहर ढाई बजे शुरू होकर और शाम साढ़े पांच बजे खत्म हुआ। इस दौरान हजारों की तादाद लोग सड़कों पर उतर आए। अधिकारी ने भाजपा नेता के तौर पर अपने गढ़ में पहली रैली को संबोधित करते हुए कहा, सात जनवरी को आपका (ममता) नंदीग्राम आने पर स्वागत किया जाएगा और आप वहां जो बात कहेंगी, उसका जवाब में अगले दिन दूंगा। अधिकारी ने दावा किया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष के साथ वह सुनिश्चित करेंगे कि भाजपा पुर्वी और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में सभी 35 सीटें जीतें। उन्होंने कहा कि पश्चिम मेदिनीपुर में मैं और दिलीप घोष ने बंगाल की खाड़ी की रेतीली मिट्टी और जंगलमहल की लाल मिट्टी ककको एक कर दिया है और अब हम कमल खिलने के बाद ही सोएंगे।

कैसे पत्रकार से राजनेता बन गए थे अटल बिहारी वाजपेयी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती है। उनका जन्म 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में हुआ था। वह तीन बार भारत के प्रधानमंत्री बने थे। साल 1996 में वे पहली बार भारत के प्रधानमंत्री बने थे, हालांकि इस दौरान उनका कार्यकाल काफी छोटा यानी 13 दिनों का था। इसके बाद उनका दूसरा कार्यकाल 13 महीने का था और फिर 1999 में जब वह पीएम बने तो उन्होंने 2004 तक पांच साल का अपना कार्यकाल किया। अटल बिहारी वाजपेयी राजनेता बनने से पहले एक पत्रकार थे। वह देश-समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा से पत्रकारिता में आए थे। अटल बिहारी राजनीति में कैसे आए, इसके पीछे एक प्रेरणादायक कहानी है। एक स्कूल टीचर के घर में पैदा हुए अटल बिहारी वाजपेयी के लिए जीवन का शुरुआती सफर आसान नहीं था। 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर के एक निम्न मध्यमवर्ग परिवार में जन्मे वाजपेयी की प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा ग्वालियर के ही विक्टोरिया (अब लक्ष्मीबाई) कॉलेज और कानपुर के डीएवी कॉलेज में हुई थी। उन्होंने राजनीतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर किया और पत्रकारिता में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और वीर अर्जुन जैसे अखबारों-पत्रिकाओं का संपादन किया। वे बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे और इस संगठन की विचारधारा (राष्ट्रवाद या दक्षिणपंथ) के असर से ही उनमें देश के प्रति कुछ करने, सामाजिक कार्य करने की भावना मजबूत हुई। इसके लिए उन्हें पत्रकारिता एक बेहतर रास्ता समझ में आया और वे पत्रकार बन गए। उनके पत्रकार से राजनेता बनने का जो जीवन में मोड़ आया, वह एक महत्वपूर्ण घटना से जुड़ा है। इसके बारे में खुद अटल बिहारी ने वरिष्ठ पत्रकार तवलीन सिंह को एक इंटरव्यू में बताया था।

खुद अटल बिहारी ने बताई प्रेरणा-इस इंटरव्यू में वाजपेयी ने बताया था कि वे बतौर पत्रकारिता अपना काम बखूबी कर रहे थे। 1953 की बात है, भारतीय जनसंघ के नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कश्मीर को विशेष दर्जा देने के खिलाफ थे। जम्मू-कश्मीर में लागू परमिट सिस्टम का विरोध करने के लिए डॉ. मुखर्जी श्रीनगर चले गए। परमिट सिस्टम के मुताबिक किसी भी भारतीय को जम्मू-कश्मीर राज्य में बसने की इजाजत नहीं थी। यही नहीं, दूसरे राज्य के किसी भी व्यक्ति को जम्मू-कश्मीर में जाने के लिए अपने साथ एक पहचान पत्र लेकर जाना अनिवार्य था। डॉ. मुखर्जी इसका विरोध कर रहे थे। वे परमिट सिस्टम को तोड़कर श्रीनगर पहुंच गए थे। इस घटना को एक पत्रकार के रूप में कवर करने के लिए वाजपेयी भी उनके साथ गए। वाजपेयी इंटरव्यू में बताते हैं, 'पत्रकार के रूप में मैं उनके साथ था। वे गिरफ्तार कर लिए गए। लेकिन हम लोग वापस आ गए। डॉ. मुखर्जी ने मुझसे कहा कि वाजपेयी जाओ और दुनिया को बता दो कि मैं कश्मीर में आ गया हूं, बिना किसी परमिट के।' इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नजरबंदी में रहने वाले डॉ. मुखर्जी की बीमारी की वजह से मौत हो गई। इस घटना से वाजपेयी काफी आहत हुए। वह इंटरव्यू में कहते हैं, 'मुझे लगा कि डॉ. मुखर्जी के काम को आगे बढ़ाना चाहिए।' इसके बाद वाजपेयी राजनीति में आ गए। वह साल 1957 में वह पहली बार सांसद बनकर लोकसभा पहुंचे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को देश कर रहा याद, पीएम मोदी सहित दिग्गजों ने किया नमन

नई दिल्ली। 25 दिसंबर को देश पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद कर रहा है। आज देशभर में उनकी जयंती मनाई जा रही है। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर तमाम दिग्गजों ने उन्हें नमन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी जन्म-जयंती पर शत-शत नमन। अपने दूरदर्शी नेतृत्व में उन्होंने देश को विकास की अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचाया। एक सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए उनके प्रयासों को सदैव स्मरण किया जाएगा।

अमित शाह ने भी किया नमन-इसके साथ ही गृह मंत्री अमित शाह ने भी अटल बिहारी को याद करते हुए एक ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा,'विचारधारा-सिद्धांतों पर आधारित राजनीति एवं राष्ट्र समर्पित जीवन से भारत में विकास, गरीब कल्याण और सुशासन के युग की शुरुआत करने वाले भारत रत्न आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन। अटल जी की कर्तव्यनिष्ठा व राष्ट्रसेवा हमारे लिए सदैव प्रेरणा का केंद्र रहेगी'।

दवा की दुकानों पर भी कोविड-19 की वैक्सीन खरीद पाएंगे भारतीय?

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की वैक्सीन जल्द ही भारत में भी आ सकती है। सरकार टीकाकरण अभियान के तहत चरणबद्ध तरीके से देश के लोगों को यह वैक्सीन मुहैया करवाने की तैयारी में है। हालांकि, वैक्सीन को लेकर योजनाएं बनाने, फैसले लेने वाली टीम में शामिल एक्सपर्ट्स का कहना है कि संभवतः यह वैक्सीन लोगों को दवा की दुकान में भी मिल जाए। हालांकि, यह योजना 2021 की दूसरी तिमाही तक उपलब्ध वैक्सीन की संख्या पर निर्भर करती है।। नाम न जाहिर करने की शर्त में वैक्सीन को लेकर निर्णय लेने वाली एक्सपर्ट्स की टीम में से एक सदस्य ने बताया कि फिलहाल इसपर विचार-विमर्श किया जा रहा है कि जो लोग सरकारी अभियान से इतर खुद अपने टीके का खर्चा उठा सकते हैं उनके लिए यह दवा की दुकानों में उपलब्ध होगा। वैक्सीन की कीमत पर सब्सिडी भी दी जा सकती है। हालांकि, इसके लिए कुछ नियम होंगे।

पहले भी हो चुका है ऐसा?

वैक्सीन को जनता तक पहुंचाने की प्रक्रिया में जुटी टीम का हिस्सा और सरकार में वरिष्ठ पद पर मौजूद एक अन्य अधिकारी ने पहचान जाहिर न करने की शर्त पर यह बताया कि इससे पहले इन्फ्लूएंजा की वैक्सीन को लेकर भी ऐसा फैसला लिया जा चुका है, जो लोग टीका खरीदने में सक्षम हैं वे शर्तों के साथ दवा की दुकान से इसे ले सकते हैं।

अगले साल तक 30 करोड़ भारतीयों को लगेगा टीका

सरकार यह पहले बता चुकी है कि भारत में अगले साल जुलाई तक 30 करोड़ ऐसे लोगों को टीका दिया जाएगा, जिन्हें सबसे ज्यादा खतरा है। फिलहाल सरकार ऐसे लोगों की सूची बना रही है। इनमें से पहले चरण में करीब 3 करोड़ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोग और फ्रंट लाइन वर्कर्स को टीका दिया जाएगा।

ईडी ने जब्त की एग्री गोल्ड ग्रुप की 4109 करोड़ रुपये की संपत्ति

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एग्री गोल्ड ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ पोंजी घोटाले को लेकर एक बड़ा अभियान चलाया। उसने मनी लांड्रिंग कानून के तहत विभिन्न राज्यों में उसकी 4109 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को जब्त कर लिया। ईडी मंगलवार को उसके तीन प्रमोटरों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

जांच एजेंसी ने अपने एक बयान में कंपनी की जब्त संपत्तियों का ब्योरा दिया है। इनमें आंध्र प्रदेश में स्थित 48 एकड़ में फैले अरका लेजर एंटरटेंमेंट्स प्रा.लि. के हालैंड एम्यूजमेंट पार्क, 2809 भू संपत्तियां, विभिन्न कंपनियों के शेयर तथा संयंत्र और मशीनें आदि शामिल हैं। इन

संपत्तियों को प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत जब्त किया गया है। कंपनी की ये संपत्तियां आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा, तमिलनाडु तथा तेलंगाना में स्थित हैं।

ईडी ने कंपनी के खिलाफ दर्ज विभिन्न शिकायतों के बाद जांच शुरू की थी। इन शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि कंपनी ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा कर्नाटक के 32 लाख से ज्यादा निवेशकों से राशि जमाकर करीब 6380 करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाया है। पोंजी घोटाले के मुख्य आरोपित वेंकटरामा राव, वेंकट एस नारायण राव तथा हेमा सुंदरा वारा प्रसाद हैं जो एग्री गोल्ड ग्रुप आफ कंपनीज के प्रमोटर हैं। इनको जांच एजेंसी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। कंपनी ने कृषि भूमि व प्लाट दिलाने के नाम पर लोगों को जाल में फंसाया था।

क्या है मामला

ए.वेंकट रामाराव ने अपने भाइयों और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर 150 से अधिक कंपनियों की स्थापना की और विकसित प्लाट/कृषि भूमि उपलब्ध कराने के वादे के साथ आम जनता से पैसे जमा कराने शुरू कर दिए। निवेशकों को न तो प्लाट मिले और न ही उनकी जमा राशि वापस मिली।

चार चरणों में होगा यूपी पंचायत चुनाव

लखनऊ। राज्य सरकार पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। यूपी को चार हिस्सों में बांटकर चुनाव कराने की तैयारी है। क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत और ग्राम पंचायत के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। पंचायती राज विभाग 28 जनवरी से पांच फरवरी के बीच चुनाव के संबंध में संभावित कार्यक्रम देने पर विचार कर रहा है। इसके बाद आयोग अपने हिसाब से पंचायत चुनाव के लिए अधिसूचना जारी करेगा। राज्य सरकार की मंशा 31 मार्च तक चुनाव कराते हुए पंचायतों का गठन कराने की है, जिससे अप्रैल में होने वाली बोर्ड की परीक्षाओं पर किसी तरह का कोई असर न पड़े।

चार चरणों में चुनाव की संभावना-पंचायत चुनाव चार चरणों में कराने की तैयारी है। इसीलिए यूपी को चार हिस्सों में बांटा जाएगा। उदाहरण, के लिए पूर्वी यूपी, पश्चिमी यूपी, बुंदेलखंड और मध्य यूपी में प्रदेश के सभी 75 जिलों को बांटा जाएगा। इसके आधार पर चुनाव कार्यक्रम तैयार हो रहा है। पंचायती राज विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक प्रदेश को चार हिस्सों में बांटकर चुनाव कराने में आसानी होगी। इसके आधार पर जरूरत के मुताबिक सुरक्षा के इंतजाम भी हो जाएंगे और एक साथ भार भी नहीं पड़ेगा। हालांकि अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

जनवरी में पूरा हो जाएगा आरक्षण-नगरीय सीमा का विस्तार होने से ग्राम पंचायतें और क्षेत्र पंचायतें कम हुई हैं। इनके पुनर्गठन के लिए परिसीमन का काम शुरू कराते हुए 15 जनवरी तक पूरा करने की तैयारी है। इसके साथ ही जनवरी में ही आरक्षण का काम पूरा कर लिया जाएगा। आरक्षण का फार्मूला क्या होगा ? इस पर मंथन चल रहा है। आयोग ने 22 जनवरी तक मतदाताओं की सूची हरहाल में तैयार करने को कहा है।

पत्रकारिता के आदर्श पुरुष थे मालवीय और वाजपेयी-राम बहादुर राय

नई दिल्ली। पत्रकारिता के क्षेत्र में पंडित मदन मोहन मालवीय एवं अटल बिहारी वाजपेयी के विचार और उनका आचरण पत्रकारों के लिए आदर्श हैं। इन दोनों राष्ट्रनायकों ने हमें यह सिखाया कि पत्रकारिता का पहला कर्तव्य समाज को जागृत करना है। यह विचार पद्मश्री से अलंकृत वरिष्ठ पत्रकार एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने गुरुवार को भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम योद्धा पत्रकार पुण्य स्मरण में व्यक्त किए। भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित इस समारोह में प्रसार भारती बोर्ड के सदस्य एवं अटल बिहारी वाजपेयी के तत्कालीन मीडिया सलाहाकार अशोक टंडन, आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, अपर महानिदेशक के. सतीश नंबूदिरीपाड एवं अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण) श्रीमती ममता वर्मा भी मौजूद थीं। राम बहादुर राय ने कहा कि मालवीय जी महान स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ और शिक्षाविद् ही नहीं, बल्कि एक बड़े समाज सुधारक भी थे। देश से जातिगत बेड़ियों को तोड़ने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान था। उन्होंने कहा कि मदन मोहन मोहन मालवीय ने ही सत्यमेव जयते को लोकप्रिय बनाया, जो बाद में चलकर राष्ट्रीय आदर्श वाक्य बना और इसे राष्ट्रीय प्रतीक के नीच अंकित किया गया। राय ने बताया कि महात्मा गांधी ने मदन मोहन मालवीय को महामना की उपाधि दी थी। असल में अपने महान कार्यों के कारण ही मालवीय जी महामना कहलाये। उन्होंने भारत के सबसे बेहतरीन विश्वविद्यालयों में से एक काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की। अटल जी का स्मरण करते हुए अशोक टंडन ने कहा कि जनता के बीच प्रसिद्ध अटल बिहारी वाजपेयी अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते थे। अटलजी जनता की बातों को ध्यान से सुनते थे और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करते थे। टंडन ने कहा कि अटल जी ने कठिन परिस्थितियों में पत्रकारिता की शुरुआत की और वह अखबार में खबर लिखने, संपादन करने और प्रिंटिंग के साथ साथ समाचार पत्र वितरण का कार्य भी स्वयं करते थे। टंडन ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी राजनेता बनने से पहले एक पत्रकार थे। वह देश और समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा से पत्रकारिता में आए थे। उनके जीवन का लक्ष्य पत्रकारिता के माध्यम से पैसे कमाना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण था। उनकी कविताएं नौजवानों में उत्साह जगाने वाली थीं। अटल जी का मानना था कि समाचार पत्रों के ऊपर एक बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है।

सवा लाख जीनोम जांच के बाद पकड़ा गया ब्रिटेन में नया वायरस

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के नए स्वरूप से पूरी दुनिया में दहशत का माहौल है। इस महामारी से सात करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। इस बीच ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने सवा लाख जीनोम (जीनोम सिक्वेंसिंग- जीनोम का अनुक्रमण) की जांच के बाद कोरोना वायरस के नए स्वरूप को पकड़ने में सफलता पाई है। पूरी दुनिया में कोरोना के सात करोड़ से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन अभी तक महज 2.75 लाख मामलों की ही जेनेटिक सीक्वेंसिंग हो पाई है। इनमें से सवा लाख सीक्वेंसिंग अकेले ब्रिटेन ने की है। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जीनोम का अनुक्रमण करना कितना जटिल है। अगर देखा जाए तो दुनिया में सबसे ज्यादा जीनोम सीक्वेंसिंग ब्रिटेन में ही हुई है। हालांकि अमेरिका के एक प्रतिष्ठित अखबार के अनुसार ब्रिटेन ने अब तक 3,700 और अमेरिका ने 40 से कम में वायरल जीनोम अनुक्रमित किया है।

क्या है जीनोम अनुक्रमण?

जीनोम अनुक्रमण (जेनेटिक सीक्वेंसिंग) के तहत डीएनए के भीतर न्यूक्लियोटाइड के सटीक क्रम का पता लगाया जाता है। इसके अंतर्गत डीएनए में मौजूद चारों तत्त्वों- एडानीन, गुआनीन, साइटोसीन और थायामीन के क्रम का पता लगाया जाता है। डीएनए अनुक्रमण विधि से लोगों की बीमारियों

का पता लगाकर उनका समय पर इलाज करना और साथ ही आने वाली पीढ़ी को रोगमुक्त करना संभव है। अगर आसान भाषा में कहें तो जीनोम सिक्वेंसिंग बालों के गुच्छा जैसा है, जिसको आपस में जोड़ना है। यह कितना मुश्किल है आप समझ सकते हैं।

भारत में भी जीनोम सक्वेंसिंग

भारत में विभिन्न वैज्ञानिक संस्थान मिलकर कोरोना वायरस की जीनोम सीक्वेंसिंग कर रहे हैं। अब तक देश के विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों में कोरोना की करीब चार हजार जीनोम सीक्वेंसिंग की जा चुकी है। इसमें से सबसे ज्यादा सीक्वेंसिंग वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर) द्वारा की गई है। चार हजार सैंपल की सीक्वेंसिंग में दस तरह के कोरोना वायरस मिले, जिनमें से एक ए3आई रूप है, जो भारत में सबसे ज्यादा तेजी से प्रसारित होने वाला रूप है।

नए स्वरूप में प्रोटीन अंश 99 फीसदी तक मौजूदा स्ट्रेन के बराबर

बायोएनटेक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) उगुर साहीन ने कहा कि वैक्सीन में 1,270 से अधिक एमीनो एसिड हैं। इनमें से केवल नौ में बदलाव है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह हुआ कि ब्रिटेन में वायरस के नए स्वरूप में प्रोटीन अंश 99 फीसदी तक मौजूदा स्ट्रेन के समान ही है। इसलिए वैज्ञानिक आधार पर बायोएनटेक आश्वस्त है कि टीका प्रभावी रहेगा। साहीन ने कहा, वैज्ञानिक फिलहाल इस पर परीक्षण कर रहे हैं और अगले दो हफ्ते में आंकड़ें मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि हमारा टीका काम करेगा।

मॉडर्ना को उम्मीद उसका भी टीका नए स्ट्रेन से लड़ने में सक्षम

मॉडर्ना को उम्मीद है कि उसके भी टीके कोरोना के नए स्वरूप से लड़ने में सक्षम होगा। यह जानकारी मॉडर्ना के अधिकारी ने दी है। इससे पहले अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की सलाहकार समिति ने मॉडर्ना द्वारा विकसित कोविड-19 टीके के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। इससे लगभग एक सप्ताह पहले फाइजर के कोविड-19 टीके के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी गई थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जल्दी हो समाधान

किसान आंदोलन में आ रही तेजी और बढ़ते गतिरोध से न केवल चिंता, बल्कि निराशा का भाव भी जागता है। अब इस आंदोलन में सत्तारूढ़ नेताओं को निशाना बनाने की शुरुआत हो गई है। हरियाणा के जींद जिले के उचाना में किसानों ने उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के आने से पहले बनाए गए हेलीपैड को फावड़े से खोद डाला। इतना ही नहीं, किसानों ने 'दुष्यंत चौटाला गो बैक' के नारे भी लगाए। यह पहली घटना है, जब किसानों का प्रत्यक्ष विरोध किसी जिम्मेदार नेता को झेलना पड़ा है। किसानों की भावना अब यह है कि जो नेता उनके समर्थन में नहीं हैं, उनका वे बहिष्कार करेंगे। मगर उन्होंने ऐसा विरोध किया कि दुष्यंत चौटाला को स्वाभाविक ही अपना दौरा रद्द करना पड़ा। चिंता तब और बढ़ जाती है, जब किसान यह बोलते हैं कि जब तक दुष्यंत चौटाला किसानों का समर्थन नहीं करते, तब तक उन्हें इस क्षेत्र में घुसने नहीं देंगे। किसानों की मांग यहां तक है कि दुष्यंत चौटाला यहां आते हैं, तो उन्हें इस्तीफा देकर आना चाहिए। गौर करने की बात है, किसानों ने दो दिन पहले ही नए कृषि कानूनों का विरोध करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के काफिले को रोककर काले झंडे दिखाए थे और हरियाणा पुलिस ने 13 किसानों के खिलाफ हत्या व दंगे की कोशिश का मामला दर्ज किया था। ऐसे विरोध प्रदर्शन और उन पर हो रही कार्रवाई के प्रति अफसोस ही जताया जा सकता है। यदि एक सामान्य किस्म की मांग आपराधिक स्वरूप लेती जा रही है। सब्र का बांध ऐसे ही टूटता रहा, तो किसान आंदोलन राज्यों और देश के लिए दुख का कारण बनेगा। उपवास, भूख हड़ताल, टोल प्लाजा पर कब्जा इत्यादि से स्थितियां दिनों-दिन बिगड़ती चली जाएंगी। ऐसे संकेत भी हैं कि किसान सत्तारूढ़ दल के नेताओं का घेराव कर सकते हैं। चूंकि दिल्ली में किसानों का प्रवेश आसान नहीं है, इसलिए आसपास के राज्यों की राजनीति को भी किसान प्रभावित करने से नहीं चूकेंगे। सामान्य राजनीतिक गतिविधियों पर भी इस आंदोलन का असर पड़ने लगा है और राष्ट्रपति के पास गुहार लगाने जाने वाले नेताओं की संख्या भी बढ़ती जाएगी। आंदोलन और आंदोलन के समाधान, दोनों ही मोर्चे पर सावधानी से काम लेना जरूरी है। दिल्ली और उसके आसपास संवेदनशील और कुशल अधिकारियों को ही शांति बनाए रखने के काम में लगाना चाहिए। सत्तारूढ़ दल के नेताओं को अपनी सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए। अव्वल तो किसानों के खिलाफ चल रहा दुष्प्रचार भी उनके रोष को बढ़ा रहा है। किसानों की तुलना आतंकियों से करना और खलिस्तान का नाम लेना भड़काने की कोशिश नहीं, तो और क्या है? इसमें कोई शक नहीं कि शांति और समाधान की जिम्मेदारी सर्वाधिक सत्ता पक्ष के नेताओं पर ही है। कानूनों को अगर रद्द नहीं करना है, तो इन्हें कुछ दिनों के लिए क्या टाला नहीं जा सकता? जब मंडी और एमएसपी व्यवस्था को सरकार बनाए रखना चाहती है, तब किसानों को भी पुनर्विचार जरूर करना चाहिए। जिस तरह आंदोलन में किसान एकजुट हैं, वैसे ही अगर वे आगे भी रहे, तो उनका शोषण करने की कोई सोच भी नहीं सकता। आज सत्ता पक्ष को भरोसा जगाना है और किसानों को भरोसा करना है। सचेत रहना चाहिए, इस काम में जितनी देरी होगी, राजनीति भी उतनी ही बढ़ेगी और उसके साथ ही समस्या भी जटिल होती चली जाएगी।

आज के ट्वीट

आभार

ऐसी परिस्थिति में भी देशभर के किसानों ने कृषि सुधारों का भरपूर समर्थन किया है, स्वागत किया है। मैं सभी किसानों का आभार व्यक्त करता हूं। मैं भरोसा दिलाता हूं कि आपके विश्वास पर हम कोई आंच नहीं आने देंगेः -- पीएम

उलटे पड़े नेपाल में चीन के दांव

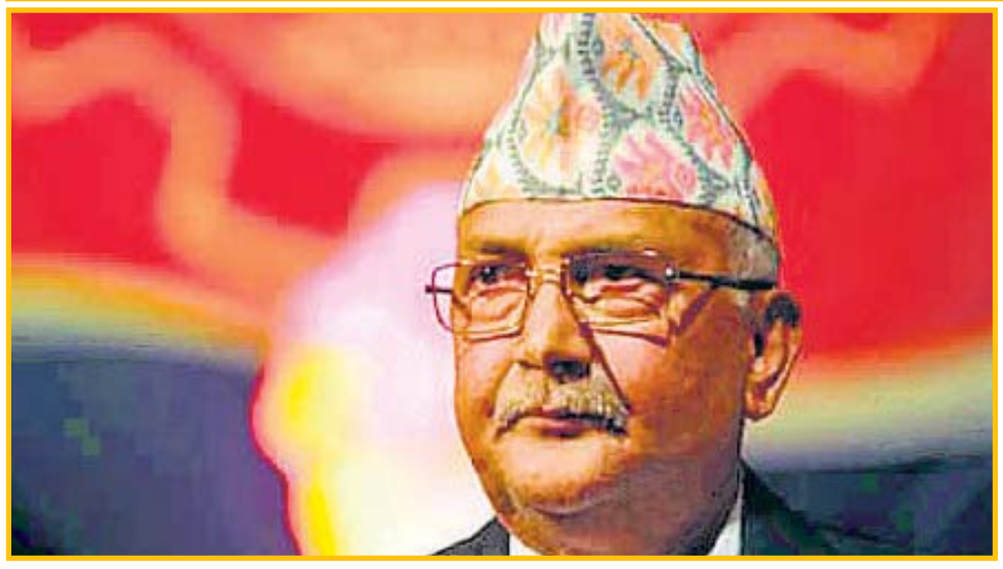

पुष्परंजन

नेपाल के चीफ जस्टिस चोलेन्द्र शमशेर जबरा के विरुद्ध कोई छह माह पहले लोग सड़क पर उतर आये थे। जनता उनके विरुद्ध संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग कर रही थी। उन्होंने 29 जून, 2020 को नेपाल प्रहरी के पूर्व डीजीपी रंजन कोइराला को पत्नी की हत्या के मामले से बरी कर दिया था। उम्रकैद की सज़ा पाये मुजरिम को काठमांडो के डिल्ली बाज़ार कारागार से 11 साल पहले रिहा करने का कोर्ट आदेश नेपाल की पब्लिक पचा नहीं पाई थी। संयोग देखिये, शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश चोलेन्द्र शमशेर जबरा की बेंच राष्ट्रपति द्वारा संसद भंग करने और आम चुनाव कराने के सर्वाधिक महत्वपूर्ण आदेश पर सुनवाई करेगी। 2 जून, 2019 को चोलेन्द्र शमशेर जबरा चीफ जस्टिस नियुक्त हुए थे। प्रधानमंत्री ओली के वे 'राइट च्वाइस बेबी' बताये जाते हैं। नियुक्ति के वास्ते गठित संवैधानिक परिषद् को मैन्युपुलेट कर प्रधानमंत्री ओली ने एक ऐसे व्यक्ति को चीफ जस्टिस बनवाया, जिसका इतिहास साफ-सुथरा नहीं रहा है। आज संसद के निचले सदन, प्रतिनिधिसभा को भंग कर चुनाव कराने के विरुद्ध 12 रिट याचिकाएं सर्वोच्च अदालत में दाखिल हैं। जस्टिस जबरा की नेतृत्व वाली पांच सदस्यीय पीठ क्या निर्णय लेगी, इसका पूर्वानुमान राजनीतिक गलियारों में लोगों ने लगा लिया है। दूसरी महत्वपूर्ण सुनवाई निर्वाचन आयोग में होनी है। आयोग को यह तय करना है कि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी का अधिकृत नेता कौन है, सिंबल किस गुट को मिलना चाहिए? जांच का विषय यह भी है कि रविवार को पीएम ओली के विरुद्ध 90 सांसदों ने जो अविश्वास प्रस्ताव दर्ज़ कराया था, उसका समय सुबह 10:30 बजे था, या दोपहर 3:30? रविवार वाले दिन 2 बजकर 41 मिनट पर राष्ट्रपति कार्यालय ने संसद भंग करने और दो चरणों में चुनाव कराने का आदेश जारी किया था। अदालत की तरह, निर्वाचन आयोग से भी निष्पक्ष रहने की उम्मीद कम देखी जा रही है। उसकी पृष्ठभूमि को समझने के वास्ते 26-27 मार्च, 2019 को नेपाल के तमाम राष्ट्रीय अख़बारों के पन्नों को पलटने की आवश्यकता है, जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर दिनेश कुमार थपलिया को लाने के तरीके पर सवाल उठाये गये थे। उनकी नियुक्ति पर फैसले के समय संवैधानिक परिषद् में नेता प्रतिपक्ष व नेपाली कांग्रेस के सभापति शेरबहादुर देउवा का नहीं रहना, प्रधानमंत्री ओली की नीयत पर कई सारे सवाल खड़े कर गया था। प्रधानमंत्री ओली अपने आपको अभेद करने के वास्ते देश की तमाम संवैधानिक संस्थाओं को एक-एक करके अपनी मुट्ठी में कैद करते चले गये, यही बात प्रचंड को अखरती रही। सत्ता का अंत:पुर इस सच को अच्छे से जानता है कि राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी पीएम ओली की ख़ासमख़ास रही हैं। पीएम ओली नेकपा को बांटकर संगठन के बड़े हिस्से को अपनी पाली में करना चाहते थे, इसका प्रमाण 20 अप्रैल, 2020 को जारी दो अध्यादेश थे, जिसका पहला नुक्ता यह था कि पार्टी की सेंट्रल कमेटी के 40 प्रतिशत सदस्यों की सहमति से ही विभाजन स्वीकार हो। दूसरा, पीएम ने संवैधानिक पदों पर नियुक्तियों के लिए स्वयं को अधिकृत कर लिया था। इसके विरुद्ध हल्ला बोल हुआ, तो ओली ने उस समय अध्यादेश वापस कर लिया। फ़िर भी, ओली के अरमान ज़िंदा रहे। 15 दिसंबर, 2020 को महाराजगंज स्थित राष्ट्रपति निवास से एक अध्यादेश जारी हुआ, जिसमें संवैधानिक परिषद के काम, कर्तव्य, अधिकार और कार्यविधि को संशोधित करते हुए जानकारी दी गई कि केवल तीन सदस्यों के फैसले से किसी भी संवैधानिक पद पर नियुक्ति की जा सकती है। साफ था कि पीएम ओली संवैधानिक परिषद में लेने वाले फैसले को भी अपनी मुट्ठी में कर रहे थे, जहां पूर्व में मुख्य न्यायाधीश, दोनों सदनों के सभामुख, उपसभापति, नेता प्रतिपक्ष के बहुमत की अनिवार्यता थी। यों, राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी की भूमिका पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। उन संविधानविदों को हैरानी है कि संसद भंग करने और चुनाव कराने की सिफारिश पर मुहर लगाने से पहले क़ानून के जानकारों की सलाह लेने की आवश्यकता राष्ट्रपति भंडारी को क्यों नहीं पड़ी? वैसे, इसकी उम्मीद कम ही है कि संसद दोबारा से बहाल हो। यदि ऐसा चमत्कार हुआ, तो राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी महाभियोग की चपेट में आ सकती हैं। एक बात तो साफ है कि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी दो फाड़ की स्थिति में है। निर्वाचन आयोग स्पष्ट कर चुका है कि जिस समूह के पास केंद्रीय समिति का बहुमत होगा, नेकपा का चुनाव चिह्न सूर्य और झंडा उसे ही मिलेगा। सूर्य पहले नेकपा-एमाले का सिंबल था। दो दिनों से केंद्रीय समिति में संख्या बल को लेकर ज़ोर-आजमाइश जारी है। 2018 को केपी शर्मा ओली दोबारा से सत्ता में आये, तब चुनाव पूर्व नेकपा-एमाले, नेकपा (माओवादी केंद्र) के बीच गठबंधन बना था और बाद में विलय। 17 मई, 2018 को गठित नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) में दो समानांतर अध्यक्ष बनाये गये, ओली और प्रचंड। उस समय 441 सदस्यीय सेंट्रल कमेटी में नेकपा-एमाले के 246 और माओवादियों के 200 सदस्य थे। चार साल की अवधि वाली संसद में प्रचंड अपेक्षा यह कर रहे थे कि आधा समय उन्हें प्रधानमंत्री पद संभालने का अवसर मिलेगा। मगर अफसोस, ओली आख़िर तक उन्हें गोली देते रहे। ओली ने मंगलवार को नया खेल क्या किया, सेंट्रल कमेटी में 556 नये सदस्यों की नियुक्ति कर डाली, साथ में प्रस्ताव पास करा लिया कि 1199 सदस्यों वाली सेंट्रल कमेटी बनेगी। शाम होते-होते प्रचंड गुट ने ओली को अध्यक्ष पद से निष्कासित किये जाने का ऐलान कर दिया। नेपाली राजनीति की इस कुटिल कथा का सारांश यह है कि चीन जिस दो पायलट वाले जहाज को उड़ा रहा था, वह दुर्घटनाग्रस्त हो चुका है। इस समय चीनी राजदूत होऊ यांगशी घायल पक्षी जैसी फड़फड़ा रही हैं। कभी वो राष्ट्रपति से मिल रही हैं, कभी प्रचंड से। डूबते जहाज को बचाने का उपक्रम किया जा रहा है। इसे भी कूटनीतिक निर्लज्जता कहेंगे। राजदूत होऊ यांगशी राजधानी काठमांडो में कितने दिनों की मेहमान हैं? उत्तर जल्द मिलने वाला है। चीनी खुफिया एजेंसी एमएसएस (मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी) द्वारा कम्युनिस्ट नेताओं से कोऑर्डिनेट करना भी बेकार साबित हुआ। मगर, सवाल सिर्फ़ चीनी खुफिया एजेंसी पर क्यों? रॉ प्रमुख सामंत कुमार गोयल भी 24 घंटे के वास्ते 22 अक्तूबर, 2020 को काठमांडो गये थे। गोयल की मुलाक़ात प्रधानमंत्री ओली से अकेले में हुई थी। रॉ प्रमुख सामंत गोयल जुलाई, 2019 में भी काठमांडो गये थे। तब उन्हें नेपाल की खुफिया एजेंसी एनआईडी (राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग) के प्रमुख गणेश राज अधिकारी ने आमंत्रित किया था। रॉ प्रमुख को क्या इसका पूर्वानुमान था कि 15 से 20 दिसंबर, 2020 को काठमांडो में क्या खेल होने वाला है?

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नई दिल्ली संपादक हैं।

ज्ञान गंगा

स्थिरता

जग्गी वासुदेव/ एक स्तर पर आध्यात्मिक प्रक्रिया का मतलब होता है पर्वत की तरह स्थिर हो जाना है। जब किसी इंसान का आधार बहुत स्थिर होता है, केवल तभी वह बहुत सारी चीजें कर सकता है। जीवन में आनंद तभी बिखर सकता है, जब उसमें पूर्ण स्थिरता हो। नहीं तो बहुत ज्यादा खुशी इंसान को पागलपन की ओर ले जा सकती है। इसीलिए बहुत सारे लोग, जो थोड़े रचनात्मक, थोड़े सक्रिय और उल्लासमय होते हैं, वे आखिर में जाकर असामान्य और लगभग पागल से हो जाते हैं। दरअसल, स्थिरता के बिना आप डांस नहीं कर सकते। यही वजह है कि एक ही समय में शिव का मतलब स्थिरता और शिव का मतलब, नृत्य दोनों है। एक ऐसा विस्फोट, जो विध्वंसक न हो, केवल तभी संभव है जब स्थिरता हो। लोग अपने जीवन को काबू करके, उसमें कमी करके या काट-छांट करके उसे स्थिर करना चाहते हैं। यह आपकी दादी-नानी का तरीका है, जो आपसे हमेशा कहती होंगी, 'अपने को काबू करो, तभी तुममें स्थिरता आएगी'। बेशक, अगर आप मर जाएं तो आप स्थिर होंगे। मैं यकीन से यह बात कह सकता हूं। तो आम तौर पर जो लोग स्थिरता की बात करते हैं, उनका अस्तित्व घुटा हुआ है। एक तरह से वे कब्जियत वाला जीवन जी रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि कब्ज क्या चीज होती है, इसका मतलब है कि यह थोड़ी-थोड़ी हो रही है। इसी तरह लोगों के जीवन में खुशी, प्यार, परमानंद, यहां वहां से थोड़ा-थोड़ा मिलता है। स्थिरता यह नहीं है-कि आपने अपने जीवन को इतना सीमित कर लिया है, संकुचित कर लिया है कि आप स्थिर हो गए हैं। ऐसी स्थिरता से कुछ हासिल होने वाला नहीं। स्थिरता वह है, जहां आप सब कुछ पूरी स्पष्टता के साथ देख सकें। इसीलिए आदि योगी का जिक्र होता है, क्योंकि हम लोग स्थिरता के साथ-साथ उल्लास से भरे नृत्य की बात भी करते हैं। यह इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि उनके पास दो से ज्यादा आंखें थीं, तीन तो नहीं, लेकिन दो से ज्यादा आंखें जरूर थीं। इसका मतलब यह हुआ कि वह आम लोगों से कहीं ज्यादा देख सकते थे। अगर आप चीजों का एक ही हिस्सा देखेंगे तो आप स्थिर नहीं हो सकते। तो सारी कोशिश बेहतर देखने की है। दर्शन का मतलब देखना होता है। यह पूरी संस्कृति इसी के बारे में बात करती आई है।

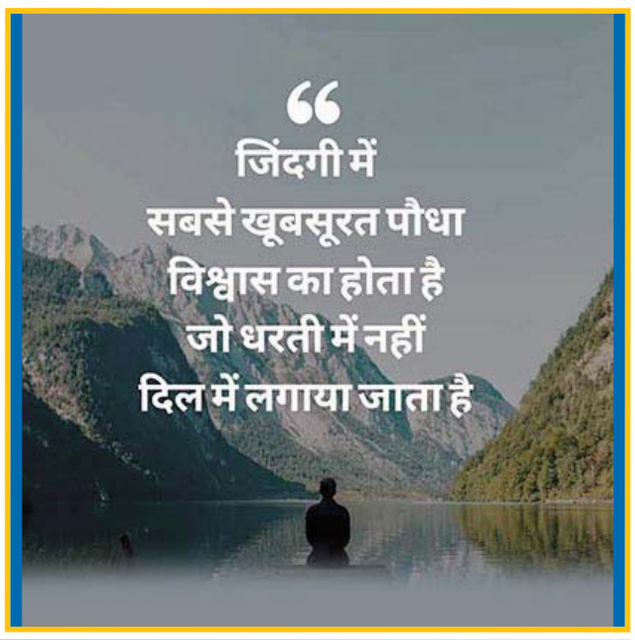

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

महामारी से उबारने की भागीरथ पहल

अरुण नैथानी

बीत रहे साल में महामारी के अंधियारे में डूबी दुनिया में साल के अंत तक रोशनी की किरण तब नजर आई, जब कारगर वैक्सीन तलाशने की मुहिम सिरे चढ़ी। यूं तो वैक्सीन खोजने के सैकड़ों प्रयास पूरी दुनिया में हुए। उनको लेकर तमाम दावे भी किये गये। लेकिन विश्वसनीयता की कसौटी पर जिस वैक्सीन को खरा बताया गया, वह थी जर्मनी की बायोएनटेक द्वारा अमेरिकी फर्म फाइजर के साथ मिलकर बनायी गई वैक्सीन। जो ट्रायल में नब्बे फीसदी से ज्यादा कामयाब रही, जिसे अमेरिका, ब्रिटेन व यूरोपीय यूनियन समेत एशिया के कई देशों ने लगाने की अनुमति दे दी है। यूं तो दावे सबसे पहले रूस व चीन ने भी किये, मगर विश्वसनीयता की कसौटी पर खरे नहीं उतरे। बायोएनटेक की वैक्सीन का ट्रायल 43000 लोगों पर किया गया और सुरक्षा को लेकर कोई चिंता सामने नहीं आई। इस कामयाबी में दो ऐसे जर्मन वैज्ञानिक थे, जिन्होंने पूरी जिंदगी कैंसर का इलाज खोजने में लगा दी। ये दोनों पति-पत्नी तुर्की मूल के हैं। इनके माता-पिता बेहतर भविष्य के सपने लेकर 1960 के दशक में जर्मनी आये थे। कोरोना की कारगर वैक्सीन बनाने में मिली कामयाबी में उगुर साहिन और ओजेस तुएरेसी की बड़ी भूमिका रही है। इस दंपति के अथक प्रयासों से ही एक साल से कम समय में कारगर वैक्सीन मिल पायी है। अन्यथा मलेरिया की वैक्सीन हासिल करने में दो दशक लग गये थे और कई विषाणुजनित रोगों की वैक्सीन अब तक हासिल नहीं हो पायी है। जिस महामारी ने दुनिया में लाखों लोगों को निगल लिया हो, उससे मुकाबले के लिये तत्काल वैक्सीन की सख्त जरूरत थी। वैक्सीन की खोज करने वाली कंपनी बायोएनटेक में उगुर साहिन आज सीओ हैं और उनकी पत्नी बोर्ड की सदस्या। आज उगुर साहिन जर्मनी के शीर्ष सौ धनाढ्य लोगों में शुमार हैं। लेकिन उनके लिये परिस्थितियां हमेशा ऐसी नहीं थीं। जब उनके पिता तुर्की से बेहतर भविष्य के लिये जर्मनी आये तो उन्होंने कोलोन में फोर्ड के कारखाने में बतौर श्रमिक काम किया। मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद साहिन एक आम चिकित्सक के दायित्वों को ही निभाना चाहते थे। शुरुआत में उन्होंने कोलोना और होम्बर्ग के अस्पतालों में प्रैक्टिस की। इसी दौरान उनकी मुलाकात ओजेस तुएरेसी से हुई। तुएरेसी टर्की के एक चिकित्सक की बेटी है, जो बाद में जर्मनी आ गई। इसके बाद दोनों विवाह के बंधन में बंधे और मिलकर शोध-अनुसंधान में जुटे रहे। उन्होंने पूरा जीवन कैंसर के खिलाफ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के प्रयासों में लगा दी। तमाम कामयाबियों के बावजूद साहिन बेहद साधारण जीवन जीते हैं। वे अप्रत्याशित रूप से विनम्र व सज्जन व्यक्ति के रूप में चर्चित हैं। आज भी वे हेलमेट व बैग लेकर साइकिल से बिजनेस बैठकों में शामिल होते हैं। बायोएनटेक के कार्यकारी अधिकारी पचपन वर्षीय उगुर साहिन और उनकी त्रेपन वर्षीय पत्नी ओजेस तुएरेसी का इस वैक्सीन खोजने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बायोएनटेक की स्थापना मैथियस क्रोमेयर ने वर्ष 2008 में की और आर्थिक सहायता भी दी थी। इन वैज्ञानिकों का काम के प्रति समर्पण इस हद तक था कि शादी की सालगिरह पर भी वे लैब में काम कर रहे थे। अपनी वैक्सीन के प्रति समर्पित उगुर साहिन इसके परिणामों को लेकर हमेशा आश्वस्त रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस वैक्सीन से महामारी पर काबू पाया जा सकता है तो उनका कहना था कि हमारी वैक्सीन के सामने कोरोना वायरस नहीं टिकेगा। इस विश्वास का आधार रहा बायोएनटेक की वैक्सीन के लिये दुनिया में सबसे ज्यादा परीक्षणों का किया जाना। इस वैक्सीन के लिये अमेरिका, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और टर्की में परीक्षण हुए। महत्वपूर्ण यह भी है कि परीक्षणों में सात दिनों के भीतर 90 फीसदी लोगों में प्रतिरक्षा प्रणाली विकासित हुई है, जिससे कारगर वैक्सीन के लिए बड़ा डाटा उपलब्ध हो पाया। जिस दिन इस वैक्सीन के अंतिम परिणाम सामने आये तो कहा गया कि यह विज्ञान और मानवता के लिये महान दिन है। इस वैक्सीन की तीन सप्ताह के भीतर दो डोज लेनी जरूरी होगी। फाइजर-बायोएनटेक का कहना है कि इस वर्ष के अंत तक पांच करोड़ और 2021 के अंत तक 1.3 अरब डोज़ वितरण के लिये उपलब्ध होंगी। लेकिन इस वैक्सीन को माइनस सत्तर डिग्री सेल्सियस में संग्रहण की जरूरत भारत जैसे विकासशील व अन्य गरीब मुल्कों के लिये चुनौती होगी। दरअसल, इस वैक्सीन के कारगर होने का परिणाम यह हुआ कि दो दिसंबर को ब्रिटेन इसका उपयोग करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया। यह वैक्सीन वायरस के ऊपर रहने वाले स्पाइक प्रोटीन को केंद्र में रखकर तैयार की गई है, जो इसकी कामयाबी का कारण भी बना। इस तकनीक पर साहिन दंपति सालों से काम कर रहे थे, लेकिन इनसान पर इसका प्रयोग कोरोना संकट के दौरान पहली बार किया गया है। इस प्रक्रिया में जेनेटिक कोडिंग का इस्तेमाल हुआ है। हालांकि, इस सफलता के बावजूद कई सवाल अभी बाकी हैं। इस वैक्सीन से हासिल रोग प्रतिरोधक क्षमता कब तक कायम रहेगी? क्या इससे संक्रमण पूरी तरह रुक पायेगा? क्या वैक्सीन वायरस के म्यूटेशन में भी प्रभावी रहेगी? फिर भी इससे मानवता को इस वायरस से लड़ने में मदद तो मिली ही है।

इस साल 24 दिसंबर तक 3.97 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए

नई दिल्ली: चालू वित्त वर्ष में 24 दिसंबर तक 3.97 करोड़ करदाताओं ने आकलन वर्ष 2020- 21 (वित्त वर्ष 2019- 20) के लिए आयकर रिटर्न दाखिल किए हैं। आयकर विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विभाग ने ट्वीट किया, ''24 दिसंबर 2020 तक 3.97 करोड़ आयकर रिटर्न पहले ही दाखिल किए जा चुके हैं। क्या आपने अपनी रिटर्न दाखिल कर दिया है? यदि नहीं तो इसे आज ही करें। अपना आयकर रिटर्न दाखिल करें और चैन से बैठें।'' विभाग ने कहा है कि 2.27 करोड़ करदाताओं ने आईटीआर-1 भरे हैं वहीं 85.20 लाख ने आईटीआर- 4, 46.78 लाख ने आईटीआर-3 और 28.74 ने आईटीआपर-2 भरे हैं। व्यक्तिगत करदाताओं के लिए वर्ष 2019- 20 रिटर्न आकलन वर्ष 2020- 21 में 31 दिसंबर 2020 तक का समय है। वहीं जिन लोगों के खातों के लिए आडिट जरूरी होता है उनके लिए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2021 रखी गई है। कोविड- 19 महामारी के चलते आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को पहले 31 जुलाई से बढ़ाकर 31 अक्टूबर 2020 किया गया। बाद में इसे 31 दिसंबर 2020 तक बढ़ा दिया गया। वर्ष 2019- 20 अंतिम तिथि 31 अगस्त 2019 थी और उस समय तक तक कुल 5.65 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए थे। विभाग ने बताया कि पिछले साल 24 अगस्त तक 3.92 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए थे। इस साल 24 दिसंबर तक 3.97 करोड़ रिटर्न प्राप्त हुए।

एसजेवीएन को हिमाचल सरकार से चेनाब घाटी में तीन पनबिजली परियोजनाएं मिलीं

नयी दिल्ली. सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एसजेवीएन लिमिटेड को हिमाचल प्रदेश सरकार से कुल 501 मेगावाट की तीन पनबिजली परियोनजाएं मिली हैं। एसजेवीएन ने एक बयान में कहा कि हिमाचल प्रदेश में चिनाब नदी घाटी में तीनों परियोजनाएं विकसित की जाएंगी। कंपनी ने कहा, ''हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में एसजेवीएन को चेनाब घाटी में 104 मेगावाट की टांडी, 130 मेगावाट की रशिल और 267 मेगावाट की सच खस पनबिजली परियोजनाएं आवंटित की गईं।'' एसजेवीएन ने हालांकि इस परियोजना बारे में किसी वित्तीय ब्यौरे की जानकारी नहीं दी। कंपनी ने कहा कि ताजा आवंटन के साथ चेनाब घाटी में उसके पास कुल 1,279 मेगावाट क्षमता की छह परियोजनाएं हैं।

आईओसी दिल्ली के लिए 15 हाइड्रोजन बस खरीदेगी

नयी दिल्ली, भारत में हाइड्रोजन आधारित परिवहन को बढ़ावा के तहत इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने 15 हाइड्रोजन बस खरीदने की योजना बनाई है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह अपने फरीदाबाद अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) केंद्र में हाइड्रोजन उत्पादन के लिए एक संयंत्र की स्थापना कर रही है। सभी इलेक्ट्रिक वाहनों की तरह फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक वाहन भी इलेक्ट्रिक मोटर को चलाने के लिए बिजली का उपयोग करते हैं। लेकिन, अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों के विपरीत ये वाहन हाइड्रोजन के फ्यूल सेल के इस्तेमाल से बिजली पैदा करते हैं। आईओसी ने कहा कि उसने 15 पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट मेम्ब्रेन (पीईएम) ईंधन सेल बसों की खरीद के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। यह परियोजना देश में हाइड्रोजन आधारित परिवहन की दिशा में पहला प्रयास है। आईओसी के अध्यक्ष एस एम वैद्य ने कहा कि कंपनी देश में हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के प्रयासों में अग्रणी रही है और यह पहल एक बड़ी परियोजना का हिस्सा है, जिसका मकसद हाइड्रोजन मूल्य श्रृंखला के सभी पहलुओं पर काम करना है। कंपनी फरीदाबार आरएंडी केंद्र में एल टन हाइड्रोजन दैनिक क्षमता का संयंत्र भी लगा रही है।

तेजी से पटरी आ रही अर्थव्यवस्था, मंहगाई से निपटने की जरूरत: रिजर्व बैंक

नई दिल्ली:

रिजर्व बैंक ने आज कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अनुमान से बेहतर प्रदर्शन कर रही है और तेजी से पटरी पर लौट रही है लेकिन इस गति को बनाए रखने के लिए महंगाई को काबू में रखने की जरूरत है। केन्द्रीय बैंक ने अपने दिसंबर बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 के गहरे खाई से बाहर निकल रही है तथा एक ऐसी गति से प्रतिबिंबित हो रही है जो अधिकांश भविष्यवाणियों को पूरा करती है। नवंबर 2020 में कृषि और विनिर्माण गतिविधियों में तेजी के कारण आर्थिक स्थिति में सुधार जारी रहा। ब्याज दरों में समाविष्ट वित्तीय स्थितियां शायद दशकों में सबसे आसान स्तर पर हैं। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, सभी हितधारकों द्वारा निरंतर प्रयासों से भारत को तेज़ वृद्धि की श्रेणी में रखा जा सकता है। उसने कहा कि अर्थव्यवस्था में आ रही तेजी को बनाए रखने के लिए महंगाई को नियंत्रण में रखने के उपाय किए जाने की जरूरत है।

बुलेटिन में कहा गया है कि नवंबर के अंत में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकडों के अनुसार पहली तिमाही में कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए किए गए उपायों का दूसरी तिमाही में बहुत कम असर दिखा और अर्थव्यवस्था अधिकाश अनुमानों के विपरीत तीव्र गति से पटरी पर लौट रही है। रिजर्व बैंक ने कहा कि तीसरी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड के प्रभाव से मुक्त हो सकती है और आर्थिक वृद्धि 0.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। केन्द्रीय बैंक ने इसी महीने की अपनी मौद्रिक नीति में भी कहा था कि अक्टूबर में उसने अर्थव्यवस्था को लेकर जो अनुमान व्यक्त किया था उससे 200 आधार अंक अधिक का सुधार दिख सकता है। उसने कहा था कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में अर्थव्यवस्था 0.4 प्रतिशत की गति से बढ़ सकती है जबकि अगले वित्त वर्ष की पहली छमाहीं में यह 14.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर सकती है।

बिक्री में आंशिक संकुचन कम हुआ है विनिर्माण कंपनियां का, मांग सुधारी है: RBI आंकड़े

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र में मांग की दशा में सुधार का रुख देखने को मिल रहा है और कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बिक्री में संकुचन 4.3 प्रतिशत तक सीमित रहा। गौरतलब है कि कोविड-19 के चलते देश भर में लगाए गए लॉकडाउन के कारण विनिर्माण क्षेत्र में पहली तिमाही के दौरान 41.1 प्रतिशत की गिरावट हुई थी। वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही के दौरान निजी कॉरपोरेट क्षेत्र के प्रदर्शन के अनुसार लोहा और इस्पात, खाद्य उत्पादों, सीमेंट, ऑटोमोबाइल और दवा कंपनियों ने सुधार की अगुवाई की। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जून के दौरान विनिर्माण कंपनियों ने 5,99,479 करोड़ रुपए की बिक्री की, जबकि इससे पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 3,97,233 करोड़ रुपए था। आरबीआई ने कहा कि यह आंकड़ा 2,637 सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (एनजीएनएफ) कंपनियों के तिमाही वित्तीय परिणामों से निकाला गया है। आरबीआई ने बताया कि इस दौरान आईटी क्षेत्र की बिक्री 3.6 प्रतिशत की दर पर स्थिर रही। दूसरी तिमाही के दौरान गैर-आईटी कंपनियों और आईटी कंपनियों की बिक्री क्रमशः 80,842 करोड़ रुपए और 1,01,353 करोड़ रुपए रही।

मोदी ने किसानों के लिये 18,000 करोड़ रुपये जारी किए, किसानों को राजनीति करने वालों से सावधान किया

नयी दिल्ली. नये कृषि कानूनों के विरोध में करीब एक माह से चल रहे किसान आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार उन लोगों के साथ भी बातचीत करने को तैयार है जो अलग विचारधारा के चलते सरकार के खिलाफ हैं। लेकिन यह भी कहा कि 'बातचीत तर्कसंगत, तथ्यों और मुद्दों पर आधारित होनी चाहिये।' मोदी ने कहा कि नये कृषि कानूनों को लेकर किसानों के मन में कुछ आशंकायें जरूर रही होंगी लेकिन राजनीतिक एजेंडा लेकर चलने वाले लोग बीच में आकर नई मांगे रख देते हैं जिनका इन कानूनों से कोई लेना देना नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी' योजना की नयी किस्त में नौ करोड़ से अधिक किसानों के लिए औपचारिक रूप से 18,000 करोड़ रुपये की राशि जारी करने के बाद वीडियो कांफ्रेस के जरिए देश के किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने सख्त भाषण में यह योजना लागू न करने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार की तीखी आलोचना भी की। मोदी ने कहा कि कुछ लोग किसान आंदोलन की आड़ में अपनी राजनीतिक रोटियां सेकना चाहते हैं और इसे एक वैचारिक लड़ाई बनाने में लगे हुए हैं तथा वे किसानों को भड़काने और भरमाने की चालें चल रहे हैं। प्रधान मंत्री ने कहा 'किसान आंदोलन के नाम पर कुछ नेता अपनी राजनीतिक विचारधारा को आगे बढ़ाने में लगे हैं।' उन्होंने कहा, ' जिन लोगों का अपना राजनीतिक एजेंडा है वह किसानों को सरकार के साथ बातचीत के लिये आगे नहीं आने दे रहे हैं, जिससे कि उनकी चिंतायें दूर की जा सकें।'' मोदी ने कहा कि 'देश में 80 प्रतिशत से अधिक गरीब किसान हैं, पिछली सरकारों के दौरान ये किसान और अधिक गरीब हुये हैं, इन्हीं गरीब किसानों की स्थिति को देखते हुये कृषि सुधार जरूरी हो गये थे।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आनलाइन तरीके से 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना के तहत नौ करोड़ से अधिक किसानों के लिए 18,000 करोड़ रुपये की राशि जारी की। इसके जरिये किसानों के बैंक खाते में 2,000 रुपये सीधे हस्तांतरित किये गये। मोदी ने कहा कि कुछ पार्टियां नये कृषि कानूनों का विरोध कर अपना राजनीतिक एजेंडा आगे बढ़ा रहे हैं। कुछ लोग यह भ्रम और झूठ फैला रहे हैं कि यदि किसान अनुबंध खेती करेंगे तो उनकी जमीन चली जायेगी। उन्होंने यह भी कहा, 'जो लोग केरल में कई साल से राज कर रहे हैं वही लोग पंजाब में किसानों के साथ सेल्फी खिंचाने के लिये पहुंच रहे हैं, लेकिन इन लोगों ने अपने राज्य (केरल) में मंडी प्रणाली के लिये कुछ नहीं किया।' मोदी ने कहा कि कुछ लोग किसानों की जमीन को लेकर चिंता जताने का नाटक कर रहे हैं, हम उन सभी के बारे में जानते हैं जिनके नाम जमीन पर कब्जा करने को लेकर मीडिया में आ चुके हैं। मोदी ने कहा जिन लोगों को मतदाताओं ने नकार दिया अब वही लोग प्रचार पाने के लिये नये नये कृत्यों में लगे हैं लोगों को इनके भ्रमजाल में नहीं फंसना चाहिये। उन्होंने कहा, 'हमने एक हजार से अधिक मंडियों को आनलाइन एक दूसरे से जोड़ा है, इन मंडियों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार पहले ही हो चुका है।' उन्होंने कहा, 'हम गांवों में किसानों के जीवन को आसान बना रहे हैं। जो लोग आज बड़े बड़े भाषण दे रहे हैं जब वह सत्ता में थे तब उन्होंने किसानों के लिये कुछ नहीं किया।' मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने और अधिक फसलों को नयूनतम समर्थन मूल्य का लाभ दिया और किसानों को रिकार्ड धनराशि उपलब्ध कराई है। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के 70 लाख किसानों को केन्द्र की प्रत्यक्ष धन हस्तांतरण योजना का लाभ उपलब्ध नहीं होने देने पर पश्चिम बंगाल सरकार को आड़े हाथों लिया। कहा ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल को बर्बाद किया है।

अमेजन सेलर सर्विसेज का घाटा वित्त वर्ष 2019-20 में बढ़कर 5,849.2 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली: अमेरिकी कंपनी अमेजन की भारतीय इकाई अमेजन सेलर सर्विसेज का घाटा वित्त वर्ष 2019-20 में बढ़कर 5,849.2 करोड़ रुपए पहुंच गया। कंपनी पंजीयक के पास दी गई सूचना के अनुसार अमेजन सेलर सर्विसेज को 2018-19 में 5,685.4 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। कंपनियों के बारे में जानकारी देने वाली टोफलर के अनुसार अमेजन सेलर सर्विसेज की आय 2019-20 में इससे पूर्व वित्त वर्ष के मुकाबले 43 प्रतिशत बढ़ी है। सूचना के अनुसार कंपनी उन्नत प्रौद्योगिकी और नए केंद्र (फुलफिलमेंट सेंटर) खोलने में निवेश जारी रखेगी।

EPFO को 2021 में असंगठित क्षेत्र को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने को करने होंगे भगीरथ प्रयास

नई दिल्ली:

असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले 40 करोड़ से अधिक कामगारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना, मौजूदा योजनाओं को नए स्वरूप में ढालना और नई नियुक्तियों में तेजी लाना जैसे कुछ मुद्दे हैं जो कि सेवानिवृति लाभ उपलब्ध कराने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के समक्ष 2021 में चुनौती बनकर खड़े होंगे। ईपीएफओ वर्तमान में संगठित क्षेत्र के छह करोड़ से अधिक कर्मचारियों को भविष्य निधि कोष और कर्मचारी पेंशन योजना के तहत सामाजिक सुरक्षा का लाभ उपलब्ध कराता है। नए साल में संगठन को सरकार की महत्वकांक्षी आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (एबीआरवाई) को लागू करने पर ध्यान देते हुए सेवाओं की सुपुर्दगी में सुधार लाने के लिए भगीरथ प्रयास करने होंगे। सामाजिक सुरक्षा संहिता के अगले साल एक अप्रैल से लागू होने की उम्मीद है। ऐसे में ईपीएफओ को अपनी योजनाओं और सेवाओं को नए माहौल के अनुरूप ढालना होगा क्योंकि इससे असंगठित क्षेत्र के कामगार भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे। देश में 40 करोड़ से ज्यादा असंगठित क्षेत्र के कामगार हैं जो कि किसी प्रतिष्ठान अथवा कंपनी के वेतन रजिस्टर में नहीं आते हैं और उन्हें भविष्य निधि और ग्रेच्युटी जैसे लाभ प्राप्त नहीं हैं। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के पूर्व महासचिव ब्रिजेश उपाध्याय ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा संहिता के अमल में आने पर ईपीएफओ के समक्ष 2021 में नई चुनौतियां सामने आएंगी। उन्होंने कहा, ''असंगठित क्षेत्र के कामगारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए अपनी योजनाओं और नेटवर्क का दायरा बढ़ाना होगा। इन कर्मचारियों को संहिता के तहत सामाजिक सुरक्षा लाभ उपलब्ध होंगे।%% उपाध्याय ईपीएफओ ट्रस्ट में ट्रस्टी भी हैं। उनका कहना है कि असंगठित क्षेत्र के कामगारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए ईपीएफओ को अपनी योजनाओं और सेवाओं को नया रूप देना होगा। इससे पहले यह सवाल उठाया गया था कि असंगठित क्षेत्र के मामले में भविष्य निधि जैसी सामाजिक सुरक्षा योजना में नियोक्ता के हिस्से का योगदान कौन करेगा। अब यह कहा गया है कि यह हिस्सा या तो सरकार की तरफ से दिया जाएगा अथवा असंगठित क्षेत्र के कामगार ऐसी योजनाओं में शामिल हो सकते हैं जिनमें केवल उनकी तरफ से ही योगदान किया जाएगा। श्रम सचिव अपूर्व चंद्र ने कहा, ''2021 में ईपीएफओ का मुख्य ध्यान आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (एबीआरवाई) पर होगा जिसके तहत नई नियुक्तियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।%% अपूर्व चंद्र ईपीएफओ के शीर्ष निकाय सेंट्रल बोर्ड आफ ट्रस्टी के उपाध्यक्ष भी हैं। चंद्रा ने कहा, ''सेवाओं की डिलीवरी के लिए अन्य प्रयास भी जारी रहेंगे लेकिन मुख्य ध्यान एबीआरवाई के तहत रोजगार सृजन पर होगा।%% इस माह की शुरुआत में केन्द्र सरकार ने एबीआरवाई को मंजूरी दी। इस योजना का मकसद आत्मनिर्भर भारत पैकेज 3.0 के तहत औपचारिक क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देना है। योजना के तहत 2020 से 2023 के बीच 22,810 करोड़ रुपए जारी किए जाएंगे। चालू वित्त वर्ष के दौरान इसमें कुल 1,584 करोड़ रुपए जारी किए जाएंगे।

एबीआरवाई योजना के तहत एक अक्टूबर 2020 से लेकर 30 जून 2021 की अवधि में काम पर रखे जाने वाले नए कर्मचारियों के लिए सरकार भविष्य निधि में उनके कर्मचारी और नियोक्ता दोनों की तरफ से दिए जाने वाले 12 प्रतिशत योगदान का भुगतान करेगी। 24 प्रतिशत की यह कुल राशि कर्मचारी भविष्य निधि कोष में दो साल तक सरकार जमा करायेगी। यह योजना उन प्रतिष्ठानों में लागू होगी जिनमें एक हजार तक लोग काम करते हैं। ऐसे संस्थानों जहां 1,000 से अधिक कर्मचारी हैं उनके मामले में सरकार केवल कर्मचारी का ही 12 प्रतिशत हिस्सा कर्मचारी भविष्य निधि कोष में जमा कराएगी। इस योजना को अमल में लाने के लिए ईपीएफओ एक साफ्टवेयर विकसित करेगा ताकि मिलने वाले लाभ में कहीं कोई गड़बड़ी नही हो। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने इस माह की शुरुआत में कहा कि ईपीएफओ के तहत 52 लाख कर्मचारियों को कोविड-19 राहत योजना के तहत 13,300 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई।

भविष्य निधि से दी गई यह राशि वापस नहीं करनी होगी। कोरोना वायरस महामारी फैलने और लॉकडाउन के दौरान कारखाने और फैक्टरियां बंद होने की वजह से लोगों को जीविका चलाने के लिए ईपीएफओ से धनराशि निकालने की अनुमति दी गई थी।

दूरसंचार उद्योग के सक्रिय कनेक्शनों की संख्या अक्टूबर में 25 लाख बढ़ी : रिपोर्ट

नयी दिल्ली,

दूरसंचार सेवा उद्योग के 'सक्रिय' ग्राहकों की संख्या अक्टूबर, 2020 में करीब 25 लाख बढ़कर 96.1 करोड़ पर पहुंच गयी। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की शुक्रवार को जारी ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि शुल्कों में वृद्धि की वजह से सिम एकीकरण का प्रभाव घट रहा है जिससे सक्रिय कनेक्शनों की संख्या में इजाफा हुआ है। रिपोर्ट में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों के आधार पर कहा गया है कि अक्टूबर में भारती एयरटेल के सक्रिय ग्राहकों की संख्या करीब 30 लाख बढ़कर 32 करोड़ पर पहुंच गयी। परंपरागत रूप से कमजोर माने जाने वाले महाराष्ट्र (सात लाख) और गुजरात (पांच लाख) सर्किलों में भारती एयरटेल ने सबसे अधिक ग्राहक जोड़े। सक्रिय ग्राहकों की गणना विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) के आधार पर की जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर में सक्रिय ग्राहकों की संख्या करीब 25 लाख बढ़कर 96.1 करोड़ पर पहुंच गई। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर में जियो के सक्रिय ग्राहकों की संख्या 11 लाख बढ़कर 31.9 करोड़ पर पहुंच गई। वहीं वोडाफोन आइडिया लि. (वीआईएल) के सक्रिय ग्राहकों की संख्या में गिरावट जारी है। अक्टूबर में वीआईएल के सक्रिय ग्राहक करीब 27 लाख घटकर 26 करोड़ रह गए। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार कुल मिलाकर एयरटेल के ग्राहकों की संख्या अक्टूबर में 36 लाख बढ़कर 33.03 करोड़ पर पहुंच गई। इस दौरान रिलायंस जियो के ग्राहकों की संख्या 22.2 लाख की बढ़ोतरी के साथ 40.63 करोड़ रही।

कोल इंडिया निदेशक मंडल ने एल्युमीनियम, सौर क्षेत्रों में कदम रखने को मंजूरी दी

नई दिल्ली:

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने एल्युमीनियम और सौर क्षेत्र में जाने तथा विशेष उद्देश्यीय कंपनी गठित करने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। कोल इंडिया कोयला क्षेत्र की प्रमुख कंपनी है और घरेलू कोयला उत्पादन में उसकी 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने शेयर बजार को दी सूचना में कहा, ''कोल इंडिया के निदेशक मंडल की बैठक में एल्युमीनियम मूल्य श्रृंखला (खनन- परिष्करण-स्मेल्टिंग) और सौर बिजली मूल्य श्रृंखला (इनगॉट-वैफर-सेल मोडउ्यूल और उत्पादन) में जाने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।'' निदेशक मंडल ने विशेष उद्देश्यीय इकाई (एसपीवी) के गठन को भी मंजूरी दे दी है। यह नीति आयोग, दीपम (निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग) से मंजूरी और व्यवहार्यता अध्ययन तथा व्यापार विश्लेषण पर निर्भर है।

2021 में भी जारी रहेगा दुर्गम क्षेत्रों में सड़क सुविधाओं का विस्तार, इलेक्ट्रिक वाहनों पर होगा जोर

नई दिल्ली:

कोरोना वायरस महामारी के बीच अवसर तलाशते हुए 2020 में कैलाश मानसरोवर मार्ग से लेकर जोजिला टनल और लिपुलेख- पास तक देश के विभिन्न दुर्गम इलाकों में सड़कों और राजमार्गों पर टनल के निर्माण और महत्वपूर्ण ढांचागत सुविधाओं का विस्तार करते हुए सरकार का इरादा 2021 में भी सड़क नेटवर्क का विस्तार जारी रखने और इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाने का है। देशभर में सड़कों को उन्नतम और आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के शब्दों में यदि कहा जाए तो सरकार ने महामारी के कारण पैदा संकट के बीच अवसर तलाशने का फैसला किया। राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 1,34,000 किलोमीटर के करीब पहुंच चुकी है और पांच साल में इसमें 60 हजार किलोमीटर सड़कों को और जोड़ने का लक्ष्य है।

गडकरी ने कहा जब पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी से जूझ रही थी तब ''हमने इसे (संकट) अवसर में बदलने का फैसला किया। यही वजह है कि इस दौरान दुर्गम पहाड़ी इलाकों में बड़ा काम किया जा सका। चंबा शहर के नीचे टनल बनी, कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर काम हुआ और रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कई परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया।'' वर्ष 2020 में रणनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण 14.15 किलोमीटर लंबी जोजिला टनल पर काम शुरू किया गया। इस टनल के बन जाने से श्रीनगर घाटी और लेह के बीच बारहमास आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। यह परियोजना पिछले कई सालों से लटकी पड़ी थी। इसके नमूने में बदलाव किया गया जिससे कि 5,000 करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है। महामारी के दौरान सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग के बड़े हिस्से धारचुला से लिपुलेख तक के मार्ग पर काम पूरा कर दिया। इस हिस्से के तैयार हो जाने से लिपुलेख पास को धारचुला से जोड़ दिया।

यह स्थान उत्तराखंड में चीन की सीमा के साथ लगता 17,000 फुट की ऊंचाई पर है। गडकरी ने कहा, ''जम्मू कश्मीर क्षेत्र में ही अकेले सात टनल सड़कों पर काम चल रहा है। इसमें काजीगुंड और बनिहाल के बीच 8,450 मीटर लंबी दोहरी टनल पर भी निर्माण कार्य चल रहा है।

भारत- अमेरिका के बीच भागीदारी को और व्यापक बनाने का अवसर उपलब्ध करायेगा 2021

वाशिंगटन,

भारत- अमेरिका व्यावसायिक परिषद (यूएसआईबीसी) की अध्यक्ष निशा देसाई बिस्वाल ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध लगातार ''मजबूत और जोशपूर्ण'' बने हुये हैं और आने वाला नया साल 2021 इस भागीदारी को और व्यापक तथा गहरा बनाने का महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध करायेगा। बिस्वाल ने उम्मीद जताई कि अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन के कामकाज संभालने पर भारत-अमेरिका लघु व्यापार समझौता उनके एजेंडा में सबसे शीर्ष पर होगा।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक मतभेदों को दूर करने के लिये एक समझौते पर बातचीत चल रही है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने के कारण पिछले महीनों के दौरान इसे अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। यूएसआईबीसी की अध्यक्ष बिस्वाल ने पीटीआई - भाषा के साथ वर्षांत साक्षात्कार में कहा, ''भारत और अमेरिका के बीच संबंध लगातार मजबूत और जोशपूर्ण हैं। अमेरिका के पिछले प्रशासन में भी यह स्थिति थी, मौजूदा प्रशासन में भी यही स्थिति है और मुझे पूरा विश्वास है कि अमेरिका में अगले महीने सत्ता संभालने वाले नये प्रशासन में भी यही स्थिति होगी।'' उन्होंने याद करते हुये कहा कि भारत और अमेरिका के बीच 2020 की शुरुआत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत दौरे के साथ हुई थी। बिस्वाल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच लघु व्यापार समझौता नहीं हो पाया इसके बावजूद दोनों देशों के बीच पूरे साल रणनीतिक भागीदारी जोशपूर्ण बनी रही। उन्होंने कहा चाहे रक्षा क्षेत्र के संबंध हों अथवा क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों को लेकर अमेरिका और भारत के बीच नजदीकी समन्वय की बात हो, दोनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्रियों की तीसरी दो जमा दो बैठक हो द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत हुये हैं।

इसके अलावा भारत- प्रशांत क्षेत्र में भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया (क्वाड समूह) को मजबूत बनाने पर भी रिश्तों में मजबूती आई है। बिस्वाल ने कहा कि दुर्भाग्य से व्यापार के मोर्चे पर हम इस स्तर की प्रगति हासिल नहीं कर पाये।

दोनों देशों को इस क्षेत्र में नये साल में यह देखने की आवश्यकता होगी .

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया ने किए 4 बदलाव, पंत और जड़ेजा की वापसी, सिराज और गिल करेंगे डेब्यू

मेलबर्न। (एजेंसी)।

भारत ने एडिलेड टेस्ट में मिली करारी हार के झटके से उबरने की कवायद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार से होने वाले दूसरे बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए अपनी एकादश में भारी परिवर्तन किया है। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अपना पदार्पण करेंगे जबकि ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की टीम में वापसी हुई है।

भारत को एडिलेड में पहले दिन रात्रि टेस्ट में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था और उसकी दूसरी पारी अपने इतिहास के न्यूनतम 36 रन के स्कोर पर निपट गई थी। इस शर्मिंदगी के चलते टीम इंडिया को अपनी एकादश में चार फेरबदल करने पड़े है। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को अपने ख़राब प्रदर्शन का खामियाजा उठाना पड़ा है और उन्हें एकादश से बाहर कर उनकी जगह युवा ओपनर गिल को शामिल किया है।

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो जाने से उनकी जगह सिराज को पदार्पण करने का मौका दिया जा रहा है। इस तरह यह दोनों खिलाड़ी भारत के लिए टेस्ट में पदार्पण करने वाले 297वें और 298वें खिलाड़ी बनेंगे।

टीम इंडिया ने एक साहसिक कदम उठाते हुए विराट कोहली की जगह ऑलराउंडर जडेजा को दी है। नियमित कप्तान विराट जनवरी में अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण स्वदेश लौट चुके है। सीरीज के शेष तीन टेस्टों में अब अजिंक्या रहाणे टीम इंडिया की कप्तानी संभालेंगे। जडेजा अपनी चोट से उबर गए हैं और वह गेंदबाजी और बल्लेबाजी में टीम इंडिया को मजबूती देंगे।

पृथ्वी शॉ की तरह अनुभवी विकेटकीपर रिद्धिमान साहा को भी एडिलेड टेस्ट में निराशाजनक प्रदर्शन का नुकसान उठाना पड़ा हैं। साहा को बाहर कर उनकी जगह पंत को मौका दिया गया है। पंत ने पहले टेस्ट से पूर्व दूसरे दिन रात्रि अभ्यास में तूफानी शतक बनाया था। पंत का इस साल के शुरू में न्यूजीलैंड दौरे के बाद यह पहला अंतराष्ट्रीय मैच होगा।

भारत ने जहां अपनी अंतिम एकादश में चार परिवर्तन किये है वहीं ऑस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लेंगर ने कहा है कि वह बॉक्सिंग डे टेस्ट में अपनी अपरिवर्तित एकादश उतारेंगे। भारत का पहले एडिलेड टेस्ट में शुरूआती दो दिन में दबदबा बनाने के बाद तीसरे दिन खेल पूरी तरह बिखर गया था। भारत ने अपनी पहली पारी में 244 रन बनाये थे और ऑस्ट्रेलिया को 191 रन पर समेट दिया था। हालांकि ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में भारतीय फील्डरों ने कुछ कैच टपकाये थे वरना उसे पहली पारी में 100 रन से ज्यादा की बढ़त मिल जाती जो निर्णायक साबित होती। लेकिन भारत को 53 रन की ही बढ़त मिली। तीसरे दिन पहले सत्र में भारतीय बल्लेबाजों का खौफनाक प्रदर्शन रहा और टीम अपने इतिहास के न्यूनतम स्कोर 36 रन पर सिमट गई।

भारत के 88 वर्षों के टेस्ट इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब कोई बल्लेबाज दहाई की संख्या में नहीं पहुंच सका। ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 93 रन बनाकर आठ विकेट से आसान जीत हासिल की। भारत को इस हार में एक बड़ा नुकसान यह भी हुआ कि उसके प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पैट कमिंस की बाउंसर से अपनी बाजू पर फ्रैक्चर करा बैठे और शेष सीरीज से बाहर हो गए।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए दोनों टीमें इस प्रकार हैं

भारत : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मयंक अग्रवाल, शुभमन गिल, चेतश्वर पुजारा (उपकप्तान), हनुमा विहारी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, उमेश यादव, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

फीफा की घोषणा, 2023 में होने वाले महिला फुटबॉल विश्व कप में चार सीधे कोटे मिलेंगे

ज्यूरिख। (एजेंसी)

कोंकाकाफ को 2023 में होने वाले महिला फुटबॉल विश्व कप में चार सीधे कोटे मिलेंगे जबकि क्षेत्र की दो और टीमें दस टीमों के प्लेआफ के जरिये प्रवेश कर सकती हैं। अमेरिका, कनाडा और जमैका ने पिछले साल फ्रांस में 24 टीमों के विश्व कप में क्षेत्र की नुमाइंदगी की थी। कोंकाकाफ क्षेत्र में उत्तर और मध्य अमेरिका और कैरेबियाई देश आते हैं।

फीफा ने गुरूवार को 32 टीमों के टूर्नामेंट के कोटों का ऐलान किया। यूरोप को 11 सीधे कोटे मिलेंगे जबकि एशिया को छह और अफ्रीका को चार कोटा स्थान मिलेंगे। दक्षिण अमेरिका को चार और ओशेनिया को एक कोटा स्थान मिला है।

आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड मेजबान होने के नाते सीधे क्वालीफाई कर चुके हैं। उनके कोटा स्थान उनके परिसंघ को मिले कोटा स्थानों में से लिये गए हैं। पिछले महिला विश्व कप में यूरोप की नौ , एशिया की पांच, अफ्रीका और कोंकाकाफ की तीन, दक्षिण अमेरिका की दो , ओशेनिया की एक और कोंकाकाफ . कोनमेबोल प्लेआफ की विजेता टीमों ने भाग लिया था।

एनबीए टीम में ड्राफ्ट किये जाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी पर लगा दो साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एनबीए टीम में ड्राफ्ट किये जाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी सतनाम सिंह भामरा पर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने डोपिंग उल्लंघन के कारण दो साल का प्रतिबंध लगाया है।

सतनाम पिछले वर्ष डोप टेस्ट में विफल रहे थे। नाडा के अनुसार 25 वर्षीय सतनाम हिगेनामाइन के सेवन के दोषी पाए गए थे जिसे विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने 2017 में प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल किया था।

सतनाम पर पिछले वर्ष नवम्बर में अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया था। सतनाम दक्षिण एशियाई खेलों के लिए बेंगलुरु में एक तैयारी शिविर के दौरान नाडा के टेस्ट में दोषी पाए गए थे। सतनाम पर लगाया गया प्रतिबंध पिछले साल 19 नवम्बर से शुरू होगा और अगले साल 19 नवम्बर को समाप्त होगा।

दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम में कोई बदलाव नहीं

मेलबोर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 26 दिसंबर से होने वाले दूसरे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अपरिवर्तित एकादश के साथ उतरेगा।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लेंगर ने गुरूवार को बताया कि टीम दूसरे मुकाबले में पिछले मैच की ही अंतिम एकादश के साथ उतरेगी। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आखिरी टेस्ट मैच की अंतिम एकादश में कोई बदलाव हो सकता है। पिछले कुछ दिनों में विश्व में जो हो रहा है उसे देखते हुए हम पिछली अंतिम एकादश के साथ ही खेलना पसंद करेंगे।'

दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम में सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर शामिल नहीं है और एक बार फिर मैथ्यू वेड और जो बर्न्स ओपनिंग जोड़ी के रुप में खेलने उतर सकते हैं। लेंगर ने कहा कि वार्नर पूरी तरह फिट नहीं है और उन्हें उम्मीद है कि वह सीरीज के अन्य मुकाबलों में खेलेंगे।

लेंगर ने कहा, 'हर मैच में अंतिम एकादश का चयन अलग होता है। वार्नर ने कल नेट्स पर अच्छा अभ्यास किया है। हमें पता है वह कितने शानदार खिलाड़ी हैं। वह 100 फीसदी फिट होना चाहते हैं जिससे उनमें सही ऊर्जा रहे। लेकिन मौजूदा हालात में टीम का चयन अलग तरीके से हो रहा है।' वार्नर के नहीं होने से बर्न्स और वेड पर पड़ने वाले दबाव पर उन्होंने कहा कि यह ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के लिए बेहतर होगा। लेंगर ने कहा, 'मेरे ख्याल हम एक अलग टीम है और हमने दो वर्षों में काफी लंबा समय तय किया है। हम बेहतर क्रिकेट खेल रहे हैं और हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। हमें पता है कि पहली पारी में टीम 400 रन के स्कोर पर नजर रखेगी। इसमें कोई शक नहीं कि पिछले कुछ वर्षों में हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल रहे हैं।'

आस्ट्रेलिया दिमागी खेल खेलता रहे, हमारा फोकस अपनी टीम पर : अजिंक्य रहाणे

मेलबर्न। (एजेंसी)

भारत के कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे ने शुक्रवार को कहा कि 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट शुरू होने से पहले आस्ट्रेलिया भले ही 'मानसिक खेल' खेलता रहे लेकिन उनका फोकस अपनी टीम पर रहेगा। आस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लैंगर ने गुरूवार को कहा कि भारतीय टीम दबाव में रहेगी तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने यह भी कहा था कि विराट कोहली की गैर मौजूदगी में कप्तानी कर रहे अजिंक्य रहाणे पर वे अतिरिक्त दबाव बनाने की कोशिश करेंगे। रहाणे ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा ,'' आस्ट्रेलिया दिमागी खेल खेलने में माहिर है। उन्हें खेलने दीजिये। हम अपने खेल पर फोकस करेंगे। हम अपने खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई करेंगे।''

उन्होंने कहा ,'' भारत की कप्तानी करना मेरे लिये फख्र की बात है। यह शानदार मौका है और जिम्मेदारी भी लेकिन मैं कोई दबाव नहीं लेना चाहता।'' उन्होंने कहा ,'' मेरा काम टीम का साथ देना है।फोकस मुझ पर नहीं, टीम पर है और हम एक टीम के रूप में अच्छा खेलना चाहते हैं।'' कोहली ने भी स्वदेश रवाना होने से पहले रहाणे से बेखौफ खेलने का आग्रह किया। रहाणे ने कहा ,'' विराट ने जाने से पहले हमसे बात की। एडीलेड में हमारा टीम डिनर था और उसने हम सभी से एक दूसरे के लिये खेलने, एक दूसरे की कामयाबी का आनंद लेने और मैदान पर एक दूसरे की मदद करने के लिये कहा।'' रहाणे ने कहा कि एडीलेड में तीसरे दिन एक घंटे के खराब खेल से उनकी टीम खराब नहीं हो जाती।

उन्होंने कहा ,'' हमने दो दिन अच्छा खेला लेकिन बस एक घंटे के खराब खेल से हार गए। हमने आत्ममंथन किया और अब हम अपनी ताकत पर फोकस करेंगे।'' शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने जा रहे हैं और रहाणे ने कहा कि वह उन पर और मयंक अग्रवाल पर कोई दबाव नहीं बनाना चाहते। उन्होंने कहा ,'' सलामी बल्लेबाजों की भूमिका अहम होती है। मैं उन पर कोई दबाव नहीं बनाना चाहता। मैं उन्हें स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी देना चाहता हूं। शुरूआत में साझेदारी बनने से बाद में आने वाले बल्लेबाजों को आसानी हो जाती है।

आमिर संन्यास विवाद का देश के क्रिकेट पर नकारात्मक असर पड़ेगा- इंजमाम उल हक

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता इंजमाम उल हक का मानना है कि मोहम्मद आमिर संन्यास विवाद का देश के क्रिकेट पर नकारात्मक असर पड़ेगा। आमिर ने टीम प्रबंधन से मतभेदों के चलते हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इंजमाम ने लाहौर में गुरूवार को मीडिया से कहा ,'' हमारे गेंदबाजी संसाधनों या ताकत पर आमिर के फैसले का असर नहीं पड़ेगा क्योंकि जिंदगी चलती रहती है लेकिन इसका असर हमारे क्रिकेट और उसके रसूख पर पड़ेगा।''

उन्होंने कहा ,'' इस तरह की चीजें होनी ही नहीं चाहिये। आमिर अगर टीम प्रबंधन में एक दो लोगों से नाखुश था तो उसे मुख्य कोच मिसबाह उल हक से सीधे बात करनी चाहिये थी। जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से भी। उसके बाद ही फैसला लेना चाहिये था।'' उन्होंने कहा ,'' उसके गेंदबाजी कोच वकार युनूस से मतभेद थे। अगर उसकी समस्या का हल नहीं निकलता तो उसे यह रास्ता अपनाना चाहिये था।

आस्ट्रेलिया के कप्तान टिम पेन ने बढ़ाया भारत का मनोबल, फिर से वापसी करेगा इंडिया

मेलबर्न। (एजेंसी)

आस्ट्रेलिया के कप्तान टिम पेन ने शुक्रवार को कहा कि भारत को अपने क्रिकेट पर गर्व है और एडीलेड की तरह वह यहां बाक्सिंग डे टेस्ट में आसानी से घुटने नहीं टेकने वाला है। उन्होंने संकेत दिया कि केएल राहुल और ऋषभ पंत उनकी टीम के लिये कड़ी चुनौती हो सकते हैं। आस्ट्रेलिया ने एडीलेड में पहले टेस्ट में भारत को उसके न्यूनतम टेस्ट स्कोर 36 रन पर आउट करने के बाद आठ विकेट से जीत दर्ज की। पेन ने हालांकि वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' हम इस पर तवज्जो नहीं दे सकते कि उन्हें कितने मानसिक घाव लगे या वे अभी क्या सोच रहे होंगे।''

उन्होंने कहा ,'' हमें पता है कि भारत को अपने क्रिकेट पर गर्व है और वह बेहद प्रतिभाशाली टेस्ट टीम है। उसके पास कई खतरनाक खिलाड़ी हैं।'' अब तक 20 टेस्ट में आस्ट्रेलिया की कप्तानी कर चुके पेन ने कहा कि पिछले साल एशेज श्रृंखला में भी इंग्लैंड ने पांचवें टेस्ट में वापसी करके बराबरी की थी। उन्होंने कहा ,'' हमने इंग्लैंड में देखा कि जरा सा फोकस हटने पर क्या हो जाता है। लेकिन इस बार हम ऐसा नहीं करेंगे।''

कप्तान विराट कोहली और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की गैर मौजूदगी में भारत को टीम में पांच बदलाव करने होंगे। पेन ने कहा ,'' जो खिलाड़ी उनकी टीम में आ रहे हैं , वे भी काफी खतरनाक हैं।मसलन के एल राहुल और ऋषभ पंत। हम सकारात्मक खेल दिखायेंगे क्योंकि उन्हें जरा सी ढील देना भारी पड़ेगा।'' उन्होंने कहा ,'' हमने पहला टेस्ट भले ही जीत लिया लेकिन दूसरे दिन तक भारत का दबदबा था। वे आसानी से हार नहीं मानने वाले। हम एडीलेड के प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे और अगर ऐसा कर सके तो आखिरी दो टेस्ट भारत के लिये काफी कठिन होंगे।

बीसीसीआई ने दी घरेलू अंपायरों और क्रिकेटरों को यह सौगात

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से जुड़े अंपायरों और स्कोरर की सेवामुक्त होने की उम्र 55 से बढ़ाकर 60 वर्ष कर दी गयी है। बीसीसीआई जुड़े फिलहाल 140 अंपायर हैं। 2002 में बोर्ड ने अंपायरों के सेवामुक्त होने की उम्र 55 की थी जबकि अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग करने वालों की उम्र 58 थी। बीसीसीआई के अधिकारी ने कहा, 'इस फैसले से कई अंपायरों को फायदा मिलेगा जो शारीरिक रुप से फिट हैं और लगातार सेवा देने में सक्षम है।' इस साल की शुरुआत में कुछ अंपायरों ने बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली को पत्र लिख सेवामुक्त होने की सीमा बढ़ाकर 60 करने की मांग की थी।

कम घरेलू मुकाबले होने पर मुआवजा देगा बीसीसीआई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) घरेलू मुकाबले कम होने पर घरेलू क्रिकेटरों और स्टाफ को मुआवजा देगा। बीसीसीआई ने आज यहां हुई वार्षिक आम बैठक में यह फैसला किया कि अगर घरेलू कलेंडर के अनुसार कम मुकाबले कराए जाते हैं तो घरेलू क्रिकटरों और स्टाफ को मुआवजा दिया जाएगा। मुआवजा पर विस्तृत जानकारी काम जारी है और यह निश्चित होने पर इसकी जानकारी दी जाएगी। इस बीच बीसीसीआई ने यह भी फैसला लिया है कि मुश्ताक अली ट्राफी के समापन के बाद और घरेलू टूर्नामेंट को कराने पर चर्चा की जाएगी। फिलहाल पुरुषों का घरेलू टी-20 टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है और पुरुषों तथा महिला के भविष्य के टूर्नामेंट कराने पर फैसला मुश्ताक अली ट्राफी के बाद राज्य संघों से चर्चा कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुश्ताक अली टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 10 से 31 जनवरी तक किया जाएगा।

देश में चार और एनसीए खोले जाएंगे

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने देश में चार और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) खोलने का निर्णय लिया है।बीसीसीआई की गुरुवार को 89वीं आम बैठक हुई जिसमें देश के विभिन्न शहरों में चार और एनसीए खोलने का फैसला लिया गया। अभी बेंगलुरु में एनसीए स्थित है लेकिन बोर्ड ने इसका विस्तार करने का निर्णय लिया है। चार और एनसीए खुलने से बेंगलुरु पर दबाव कम पड़ेगा और देश भर के खिलाड़ियों के लिए वहां पहुंचना आसान हो जाएगा। एनसीए के चार स्थल कहां होंगे इस बारे में हालांकि अभी फैसला नहीं किया गया है।

क्वारंटीन के बाद अफगानिस्तान के जहीर खान खेलेंगे बिग बैश टी20 लीग का पहला मैच

सिडनी। (एजेंसी)।

करीब एक महीने तक पृथकवास में रहने के बाद मेलबर्न स्टार्स का अफगानिस्तानी क्रिकेटर जहीर खान शनिवार को बिग बैश ट्वेंटी20 लीग में खेलते हुए नजर आयेगा। बाईस साल का यह लेग स्पिनर स्टार्स के लिये सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ मैच खेलेगा। कोरोना वायरस महामारी का अफगानिस्तान क्रिकेट पर काफी बुरा असर पड़ा है और मार्च के बाद से उसकी टीम ने किसी भी प्रारूप में एक भी मैच नहीं खेला है।

आयरलैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट भी इस दौरान रद्द कर दिये गये। अब आस्ट्रेलिया के साथ मैच आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर अगली गर्मियों की शुरूआत में होगा। जहीर ने आस्ट्रेलियाई एसोसिएटिड प्रेस से कहा, ''अफगानिस्तान में हर कोई उस टेस्ट के बारे में उत्साहित है। '' उन्होंने कहा, ''यह मुश्किल है क्योंकि हर किसी खिलाड़ी को बड़ी टीमों के खिलाफ बड़े मैच खेलने की जरूरत होती है। हमारी टीम में टेस्ट क्रिकेट का उतना अनुभव नहीं है इसलिये हमें टेस्ट में और मैचों की जरूरत है। '' जहीर ने कहा कि अफगानिस्तान 2021 में जिम्बाब्वे और आयरलैंड के खिलाफ भी टेस्ट मैच खेलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देखें, आपका पशु बीमार तो नहीं

खेती और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक और सहयोगी व्यवसाय हैं। मध्यप्रदेश में खेती के साथ-साथ गाय, भैंस आदि मुख्य रूप से दूध उत्पादन व कृषि संबंधी कार्यों के लिए पाले जाते हैं। दूध के लिए पाले जाने वाले पशुओं को प्रति पशु प्रति ब्यात दूध उत्पादन और कृषि संबंधी कार्यों के लिए पाले जाने वाले पशुओं की कार्य क्षमता दोनों ही हमारे प्रदेश में कम है। इनके कम होने के प्रमुख कारण हैं- उन्नत नस्ल के पशु न होना, असंतुलित और अपर्याप्त पोषण, सही रख-रखाव न प्रबंधन न होना तथा पशु रोगों के प्रति सतर्कता न बरतना आदि। इनमें से भी सबसे ज्यादा नुकसान पशु रोगों से होता है, जो दूध का उत्पादन और काम करने की क्षमता घटा देते हैं। यूँ तो पशुओं में कई तरह के अलग-अलग रोग पाए जाते हैं, जिनका इलाज पशु चिकित्सकों (डॉक्टरों) द्वारा किया जाता है। हर रोग के अलग-अलग लक्षण व अलग-अलग कारण होते हैं जिन्हें पहचानने के लिए विशेषज्ञों की सहायता की आवश्यकता होती है। परंतु रोग कोई भी हो, कुछ सामान्य लक्षण सब लोगों में समान होते हैं। इन लक्षणों से कम से कम इतना तय किया जा सकता है कि आपका पशु रोगग्रस्त है या नहीं।

रोगी पशु उदास दिखाई पड़ता है। उसके कान सीधे खड़े होने के बजाए ढीले होकर लटक जाते हैं। उसकी गर्दन भी तनी हुई न होकर ढीली और लटकी हुई दिखती है। वह अपनी चंचलता और सतर्कता खोकर अन्य पशुओं के झुंड से अलग-थलग रह कर उनके पीछे धीरे-धीरे चलता है या बैठ जाता है। उसके बालों की चमक कम होकर, बाल कुछ खड़े और अस्त-व्यस्त से दिख पड़ते हैं। आँखों की पुतलियों की हलचल धीमी व चमक कम हो जाती है।

वह खाली बैठने पर जुगाली धीमे-धीमे कम गति से करता है या बंद कर देता है। दूध देने वाले पशुओं का दूध कम हो जाता है। काम या श्रम करने वाले पशु जैसे बैल या भैंसा आदि खेत में हल-बखर, पाटा आदि चलाते समय या गाड़ी में जुते होते पर जल्दी से हाँफने लगते हैं। कभी-कभी काम करना बंद कर देते हैं या थककर बैठ जाते हैं। गोबर बहुत पतला या सख्त (कड़ा) हो जाता है। गोबर व मूत्र अधिक बदबूदार हो जाता है। शरीर का तापक्रम व गाड़ी तथा साँस लेने की गति बढ़ जाती है।

हर किस्म के पशु की नाड़ी की गति, श्वास प्रश्वास की गति और शरीर का तापमान सुनिश्चित व अलग-अलग होता है। इससे कम या अधिक होना पशु के रोगी होने का संकेत होता है। नाड़ी की गति गाय प्रजाति के पशुओं में पूँछ की जड़ के पास अँगूठे व दो-तीन उँगलियों से हल्का-सा दबाकर मालूम की जा सकती है। नाड़ी की सही गति गाय व बैल में 50 से 70, भैंस में 55 से 70, बकरी व भेड़ में 70 से 80 और कुत्तों में 70 से 120 प्रति मिनट होती है। नाड़ी की गति सामान्यतः नर की अपेक्षा मादा में और अधिक आयु के पशु की अपेक्षा कम उम्र के पशु में अधिक होती है।

पशुओं में दौड़ने-भागने, अधिक वजन खींचने के बाद और मौसम परिवर्तन के कारण भी बढ़ जाती है। इसलिए जब भी नाड़ी की गति मालूम करना हो पशु को विश्राम की सामान्य स्थिति में आने के बाद ही लेना चाहिए। नाड़ी की सही गति ज्ञात करने के लिए ऐसी घड़ी लें, जिसमें सेकंड का काटा लगा हो। नाड़ी की गति एक-एक मिनट तक तीन बार लेकर उसका औसत निकाल लें।

ऐसे निकालें श्वास की गति - उदाहरण के लिए एक-एक मिनट तक अलग-अलग तीन बार गिनने पर गाय की नाड़ी की गति आई- 64, 60 और 62। अब इसका जोड़ हुआ 186 और तीन से भाग देने पर औसत हुआ 62 प्रति मिनट। यह हुई नाड़ी की सही गति। नाड़ी की गति के समान ही श्यास प्रश्वास की सही गति से स्वास्थ्य का अनुमान लगाया जाता है। गाय के शरीर भार के अनुसार 12 से 20, भैस के शरीर भार के अनुसार 16 से 20, भेड़, बकरी की 12 से 22 प्रति मिनट होती है।

श्वास प्रश्वास की गति भी श्रम के बाद, गर्भावस्था में, सोते समय, जुगाली करते समय, भागने-दौड़ने के बाद और गर्मी के मौसम में अधिक हो जाती है। श्वास की गति पशुओं के कुछ देर विश्राम करने के बाद, सामान्य होने पर ही ली जानी चाहिए। इनकी गिनती भी तीन बार औसत निकालकर ही ली जानी चाहिए। श्वास की गति पशुओं के पेट पर हाथ रखकर या नाक (नथुनों) के सामने हाथ रखकर सावधानी पूर्वक गिनकर मालूम की जा सकती है। किसी भी प्रकार की असामान्यता होने पर पशु चिकित्सक की सलाह लें।

खेती में कैसे करें तेल की बचत

खेती में खनिज तेल की बहुत ज्यादा खपत है. तेल के दाम दिन प्रतिदिन बढते ही जा रहे है अतः यह आवश्यक हो गया है की इनका उपयोग किफ़ायत के साथ किया जाए. किसान भाइयो को ट्रेक्टर और इंजनों में डीजल की खपत कम करने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए. ये बातें निम्न हैं-

प्रत्येक ट्रेक्टर और इंजन का निर्माता नए मशीन के साथ निर्देश पुस्तिका देता है. मशीनों के उपयोग करने से पहले उसकी निर्देश पुस्तिका को ध्यान से पढ़ें और उसमे लिखी सलाह के अनुसार ही मशीन का प्रयोग करें.

इंजन चालू करने पर यदि टैपित का शोर सुने पड़ता है तो इसका मतलब है इंजन में हवा कम जा रही है जिसके कारण डीजल की खपत बढ़ जाएगी .इसलिए टैपित से आवाज़ आने पर उसे फिर से बंधवाना चाहिए.

इंजन से काला धुआं निकलने का मतलब है ज्यादा डीजल खर्च हो रहा है. इंजेक्टर या इन्जेक्सन पम्प की कोई खराबी इसका कारण हो सकती है. अतः ट्रैक्टरों में 600 घंटे प्रयोग के बाद इंजेक्टर की जाँच करवा कर उसे फिर से बन्धवाएँ.

इंजन से कम लेना शुरू करने पर कुछ काला धुआं निकलता है पर यह जल्दी ही स्वयं साफ हो जाता है. यदि इंजेक्टर और इन्जेक्सन पम्प ठीक होने पर भी काला धुआं लगातार निकलता रहे तो यह इंजन पर पड़ रहे अतिरिक्त बोझ की निशानी है. अतः काम के बोझ को उतना ही रखें जिससे इंजन काला धुआं न दे तथा डीजल भी ज्यादा न फुकें.

ठन्डे इंजन से काम लेने पर उसके पुर्जों में घिसावत ज्यादा होती है और डीजल भी अधिक खर्च होता है. अतः इंजन चालू करने के बाद तुरंत ही उससे काम लेना शुरू न करें.

ट्रैक्टर के पहियों में हवा कम होने से डीजल की खपत बढती है. इसलिए पहियों में हवा का सही दवाब रखे.इसलिए निर्देश पुस्तिका में दिए गए सुझाव के अनुसार ही पहियों में हवा हा दवाब रखे.

ट्रेक्टर को इस प्रकार प्रयोग करें जिससे खेत के किनारों पर घूमने में कम समय लगे और खेत में अधिक समय कार्य हो सके. जैसे की चौड़ाई के बजाए लम्बाई में कार्य करने से ट्रेक्टर का खली घूमना कम होगा और डीजल की खपत भी कम होगी.

पम्प सेट या थ्रेशर इत्यादि चलने के लिए डिजन इंजनों को उतने ही चक्करों पर चलाए जिससे मशीन को पुरे चक्कर मिल सके. इन मशीनों को ज्यादा चक्करों पर चलने से डीजल खर्च के साथ साथ टूट-फुट होने की सम्भावना भी बढ़ जाती है.

पम्प सेट में ज्यादा बड़ा या छोटा पम्प या इंजम प्रयोग करने से ज्यादा डीजल फुकता है और पानी कम मिलता है. अतः जल की उपलब्धि के अनुसार ही सही इंजन और पम्प का चुनाव करें जो कम खर्च में ज्यादा पानी दे.

अधिक् दुरी से पानी खिचने में पम्प सेट ज्यादा डीजल खर्च करता है. इसलिए पम्प सेट को पानी की सतह के करीब से लगाकर खर्च में बचत करें.

पम्प को चलने वाले पट्टे (बेल्ट) के फिसलने से डीजल का खर्च बढ़ता है. अतः पट्टे को सही कास कर रखे. पट्टे में कम से कम जोड़ हो तथा इसे और घिर्नियों को एक सिद्ध में रखे.

पम्प सेट से पानी बहार फेंकने वाले नल को जितना ज्यादा उठाया जाएगा तो उतना ही अधिक डीजल खर्च होगा. इसे उतना ही ऊँचा उठाए जितना की आवश्यक हो.

इंजन का मोबिल आयल ज्यादा पुराना होने पर उसकी शक्ति घटने लगती है तथा डीजल ज्यादा खर्च होने लगता है. इसलिए निश्चित समय परिंजन के मोबिल आयल और फ़िल्टर को जरुर बदले.

सर्दी से फसलें ठिठुरती नहीं, जल जाती हैं

जब भी देश के उत्तरी भागों में बर्फ गिरती है, मध्यवर्ती भागों में भी शीतलहर का असर होता है। पारा नीचे गिरने लगता है। यह समय सामान्यतः दिसंबर-जनवरी में आता है। इन दिनों भी न्यूनतम तापमान 12-13 डिग्री सेल्सियस तक आ जाता है, परंतु तापमान जब 6 डिग्री से कम हो जाता है, तब फसल के पौधों को हानि की आशंका बढ़ जाती है।

अत्यधिक कम (4 डिग्री से कम) तापमान होने पर पानी बर्फ में परिवर्तित होने लगता है। इससे पौधे की कोशाओं में रासायनिक परिवर्तन के कारण उनके श्वसन में रुकावट आने लगती है। बर्फ बनने से कोलायड प्रणाली गड़बड़ा जाती है। वास्तविक रूप से कोशा के बाहर (दो कोशाओं के बीच) की जगह में जमी बर्फ, कोशाओं के अंदर जमी बर्फ की अपेक्षा अधिक हानिकारक होती है। सदी का अधिक असर सर्दी का असर तब और अधिक होता है, जब वातावरण का तापमान और नमी दोनों ही कम हो।

पानी के बर्फ में बदलने से उसका आयतन बढ़ जाता है। इससे कोशिकाओं की दीवाल पर दबाव बढ़ जाता है। इसके कारण कोशिका भित्ति की दीवारों में दरार पड़कर वे फट जाती हैं। इसके साथ ही कोशिकाओं के भीतर मौजूद जीव द्रव्य (प्रोटोप्लास्म) हिमांक बिंदु के तापमान तक पहुँचने पर ठंडा होकर बर्फ बनकर निर्जीव हो जाता है। इससे कोशिकाओं की क्रियाशीलता और जैविक गतिविधि बंद होकर पौधों के प्रभावित भाग नष्ट हो जाते हैं या संपूर्ण पौधा मर जाता है।

तापमान कम होने पर - तापमान कम होने पर पाला पड़ने की आशंका की सूचना आकाशवाणी व दूरदर्शन पर मौसम पूर्वानुमान में दी जाती है। यह चेतावनी बड़े व व्यापक क्षेत्र के लिए दी जाती है। स्थानीय रूप से भी जिस दिन शाम को अन्य दिनों की अपेक्षा ठंड अधिक हो, हवा का बहाना एकाएक रुक जाए, आकाश एकदम साफ व बदलीरहित हो तो पाला पड़ने की अधिक आशंका रहती है। हवा की गति धीमी यानी 3-4 किलोमीटर प्रतिघंटा चलने पर पाले से अधिक हानि होती है।

सिंचाई करना - जिस दिन पाला पड़ने की आशंका हो, फसल में सिंचाई कर दें। पानी देने से भूमि की निचली सतह की उष्मा सतह तक आने व सूक्ष्म वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ने से पाले का असर नहीं होता या कम हो जाता है। सिंचाई करने से खेतों की सतह से पास से वातावरण का तापमान 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक कम हो जाता है।

खरपतवारों पर नियंत्रण न किया तो गन्ने की पैदावार में कमी

गन्ना एक बहुवर्षीय फसल है, जो शरद (अक्टूबर), बसंत (फरवरी-मार्च) तथा अधसाली (जुलाई) में बोई जाती है। अधसाली गन्नों की बुवाई मुख्यतः महाराष्ट्र में की जाती है, जबकि भारत में ज्यादातर बुवाई बसंत ऋतु (फरवरी-मार्च) में की जाती है। इसकी बुवाई 75-90 सेमी की दूरी पर कतारों में की जाती है। बुवाई के लगभग 3-4 सप्ताह बाद गन्ना उगता है। पंक्तियों के बीच पर्याप्त दूरी एवं धीमी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवारों को बढ़ने या फैलने में अत्यधिक सहायक होती है। यदि इनका समय पर नियंत्रण न किया गया तो गन्नों की पैदावार एवं गुणवत्ता में कमी आती है।

रोकथाम का समय - गन्नों में खरपतवारों की मुख्य समस्या बोने से लेकर मानसून शुरू होने तक रहती है। इस समय पौधे छोटे होते हैं तथा खरपतवारों से मुकाबला नहीं कर पाते हैं। अतः गन्नों की फसल को शुरू से खरपतवार रहित रखना आवश्यक होता है, लेकिन यह आर्थिक दृष्टि से लाभदायक नहीं होता इसलिए खरपतवार प्रतिस्पर्धा की क्रांतिक अवस्था में इनकी रोकथाम जरूरी होती है। गन्नों में यह अवस्था बुवाई के 40-70 दिन के बीच होती है।

नियंत्रण के उपाय - गन्ने की फसल में खरपतवार नियंत्रण की विधियाँ निम्न हैं-

यांत्रिक विधि - खरपतवारों को खुरपी अथवा कुदाली से नष्ट किया जा सकता है। फसल बोने से पूर्व की जुताई भी खरपतवारों की संख्या में कमी लाती है, चूँकि गन्ने की फसल का जमाव बुवाई के 25-30 दिन बाद होता है, तब तक खरपतवार काफी संख्या में उग आते हैं। इसलिए फसल बोने के एक सप्ताह बाद गुड़ाई करने से खरपतवारों को नष्ट किया जा सकता है। इसे अंधी गुड़ाई कहते हैं। इसके अलावा बैलों द्वारा चलाए जाने वाले कल्टीवेटर से गन्नों की पंक्तियों का प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है।

ट्रेश मल्चिंग - गन्नों की पंक्तियों के बाकी खाली स्थान में गन्नों की सूखी पत्तियाँ या पुवाल की 7-12 सेमी मोटी तह इस प्रकार से बिछा दी जाए कि गन्नों का अंकुर न ढँकने पाए तथा केवल खाली स्थान ही ढँका रहे। ऐसा करने से खरपतवार ढँक जाते हैं तथा प्रकाश न मिलने के कारण पीले पड़कर सूख जाते हैं। इससे खेत में नमी भी सुरक्षित बनी रहती है।

खरपतवारों से हानियाँ - गन्ने की फसल में खरपतवार फसल की तुलना में 5.8 गुना नाइट्रोजन, 7.8 गुना फास्फोरस एवं तीन गुना पोटाश उपयोग करते हैं। साथ ही नमी का एक बड़ा हिस्सा शोषित कर लेते हैं तथा फसल को आवश्यक प्रकाश एवं स्थान से भी वंचित रखते हैं। इसके अतिरिक्त फसलों में लगने वाले कीटों एवं रोगों के जीवाणुओं को भी आश्रय देते हैं।

खरपतवारों की संख्या एवं प्रजाति के अनुसार गन्नों की पैदावार में 14 से 75 प्रश तक की कमी आँकी गई है। शकर की मात्रा एवं गुणवत्ता में भी कमी आती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी, जांच बढ़ायी गयी

सियोल। दक्षिण कोरिया में क्रिसमस के दिन कोरोना वायरस संक्रमण के एक दिन के भीतर अब तक के सबसे ज्यादा मामले आए। मामले ज्यादा बढ़ने से अस्पतालों पर बोझ बढ़ता जा रहा है और मृतकों की संख्या भी बढ़ी है। प्रधानमंत्री चुंग सिय क्युन ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए अधिकारियों से कदम उठाने को कहा है और लोगों से सतर्कता बरतने को कहा है। कोरिया रोग नियंत्रण एवं निवारण एजेंसी ने शुक्रवार को बताया कि देश में संक्रमण के 1,241 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 54,770 हो गयी है। पिछले 24 घंटे में 17 और मरीजों की मौत होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 773 हो गयी है। संक्रमण के 870 से अधिक मामले देश की राजधानी वाले इलाकों से आए हैं। देश में जांच की संख्या बढ़ायी जा रही है और बृहस्पतिवार को 1,18,000 से अधिक नमूनों की जांच की गयी। आगामी दिनों में कुछ और पाबंदी लगाने पर विचार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस से पैदा स्थिति को लेकर एक बैठक के दौरान कहा, ''क्रिसमस के साथ शुरू हो रहा वर्ष का अंतिम सप्ताह ऐसा समय होता है जब लोग घरों से निकलते हैं और एक दूसरे से अपनत्व जाहिर करते हैं लेकिन इस साल दुनिया के किसी भी हिस्से में ऐसा दिख पाना मुश्किल है।

इज़राइल के विमानों ने बेरूत में बहुत नीचे उड़ान भरी, सीरिया में कई धमाकों की भी खबर

बेरूत। इज़राइल के विमान लेबनान के कुछ हिस्सों में उड़ान भरते समय शुक्रवार तड़के बेहद नीचे आ गए, जिससे लोग घबरा गए और उनमें से कुछ ने बेरूत में आसमान में मिसाइलें देखने की बात भी कही है। सीरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी ने इसके कुछ मिनट बाद ही मध्य सीरिया स्थित मस्यफ शहर में धमाकों की खबर दी। सीरिया के अन्य मीडिया संगठनों ने कहा कि हमा प्रांत के पास इज़राइल के हमले के खिलाफ सीरिया के हवाई सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। हमले किसे निशाना बनाकर किए गए या कितने लोग हताहत हुए हैं, इसकी अभी कोई जानकारी नहीं है। इज़राइली विमान लेबनान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करते रहते हैं और अक्सर लेबनान क्षेत्र से सीरिया के अंदर हमले भी करते हैं। क्रिसमस के दिन किए गए इन हमलों से बेरूत के निवासी काफी घबरा गए। इज़राइल की ओर से शुक्रवार की इस घटना या सीरिया पर कथित हमलों के संबंध में तत्काल कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

पाक में तालिबान की मौजूदगी पर अफगानिस्तान ने जताई नाराजगी, शांति प्रक्रिया के लिए भी बताया खतरा

काबुल, आइएएनएस। अफगानिस्तान ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में आतंकी संगठन तालिबान की मौजूदगी पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए इसे शांति प्रक्रिया के लिए खतरा करार दिया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि पाकिस्तान में इस संगठन के प्रतिनिधियों और आतंकियों की मौजूदगी अफगानिस्तान की संप्रभुता का स्पष्ट उल्लंघन है। इससे युद्ध प्रभावित इस देश की शांति प्रक्रिया के लिए चुनौती खड़ी होगी। अफगान विदेश मंत्रालय का यह बयान तालिबान के प्रतिनिधि अब्दुल घनी बरादर के उस वीडियो के जवाब में आया, जिसमें वह गत हफ्ते कराची में अपने आतंकी संगठन के कुछ सदस्यों को संबोधित करते दिखा था। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान तालिबान आतंकियों को अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल करने से रोके। अफगान संकट को शांतिपूर्वक खत्म करने के लिए आतंकियों की सुरक्षित पनाहगाहों को बंद किया जाना चाहिए।

पांच जनवरी से फिर शुरू होगी शांति वार्ता

बता दें कि मुल्ला बरादर समेत तालिबान की वार्ताकार टीम गत हफ्ते पाकिस्तान के दौरे पर गई थी। इसी टीम के साथ अफगान प्रतिनिधियों की दोहा में शांति वार्ता चल रही है। फिलहाल दोनों पक्षों में वार्ता रुकी हुई है और पांच जनवरी से फिर बातचीत शुरू होगी। हाल ही में इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो जारी किया गया था, जिसमें बरादर कराची में तालिबान सदस्यों के बीच मौजूद था। उसने कहा कि तालिबान का अस्तित्व पाकिस्तान में भी है।

अमेरिका ने कहा विवादित क्षेत्र पश्चिमी सहारा में वाणिज्य दूतावास खोला जाएगा

वाशिंगटन। पश्चिम सहारा में मोरक्को की संप्रभुता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा मान्यता देने के फैसले के बाद अमेरिका इस विवादित क्षेत्र में जल्द ही एक वाणिज्य दूतावास खोलेगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी दी। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि दूतावास खोलने की प्रक्रिया शुरू कर कर दी गयी है। इस प्रक्रिया में लोगों की भर्ती से पहले मिशन की स्थापना के लिए एक उचित स्थान की तलाश करना शामिल है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कब और कहां इसे खोला जाएगा, पोम्पिओ ने कहा कि तब तक रबात में अमेरिकी दूतावास पश्चिमी सहारा की सेवा के लिए एक आभासी (वर्चुअली) वाणिज्य दूतावास संचालित करेगा।

अमेरिका के सांसदों का माइक पोम्पियो से अनुरोध, भारत के किसान मुद्दे पर न की जाएं कोई टिप्पणी

वाशिंगटन (एजेंसी)।

भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल समेत अमेरिका के सात प्रभावशाली सांसदों ने विदेश मंत्री माइक पोम्पियो को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि भारत में किसान आंदोलन के मुद्दे को वह अपने भारतीय समकक्ष के सामने उठाएं। भारत ने किसानों के प्रदर्शन के बारे में विदेशी नेताओं की टिप्पणियों को ''भ्रामक सूचनाओं पर आधारित'' और ''अनुचित'' बताया है तथा जोर देकर कहा है कि यह एक लोकतांत्रिक देश के आंतरिक मामलों से जुड़ा मुद्दा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने इस महीने की शुरुआत में कहा था, ''हमने भारत में किसानों से संबंधित कुछ ऐसी टिप्पणियों को देखा है जो भ्रामक सूचनाओं पर आधारित है।

इस तरह की टिप्पणियां अनुचित हैं, खासकर जब वे एक लोकतांत्रिक देश के आंतरिक मामलों से संबंधित हों।'' अमेरिकी सांसदों द्वारा पोम्पियो को 23 दिसंबर को लिखे पत्र में कहा गया है कि पंजाब से जुड़ा यह मुद्दा अमेरिकी सिखों के लिए चिंता का एक प्रमुख कारण है तथा यह अन्य भारतीय राज्यों के भारतवंशियों को भी बहुत प्रभावित करता है। इसमें कहा गया है, ''कई भारतवंशी लोग इससे सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे हैं क्योंकि पंजाब में उनके परिजन एवं पैतृक भूमि है तथा वे भारत में अपने परिवारों के कुशलक्षेम के लिये चिंतित हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए हमारा आपसे अनुरोध है कि आप अमेरिका की विदेशों में राजनीतिक अभिव्यक्ति की आजादी की प्रतिबद्धता को कायम रखने की खातिर अपने भारतीय समकक्ष के साथ बात करें।'' पत्र में सांसदों ने कहा है कि राजनीतिक विरोधों से परिचित राष्ट्र होने के नाते अमेरिका सामाजिक अशांति के वर्तमान हालात में भारत को सलाह दे सकता है। सांसदों ने कहा, ''हम भारत सरकार के वर्तमान कानून के अनुपालन में राष्ट्रीय नीति तय करने के अधिकार का सम्मान करते हैं। हम भारत तथा विदेशों में उन लोगों के अधिकारों को भी समझते हैं जो कृषि कानूनों के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं, इन कृषि कानूनों को कई भारतीय किसान अपनी आर्थिक सुरक्षा के लिए खतरे की तरह देखते हैं।'' पत्र पर जयपाल, सांसद डोनाल्ड नोरक्रॉस, ब्रेनडान एफ बॉयल, ब्रायन फिट्जपैट्रिक, मेरी गे स्कानलोन, डेबी डिंगेल और डेविड ट्रोन के हस्ताक्षर हैं। बीते कुछ हफ्तों में अमेरिका के 12 से अधिक सांसद भारत में जारी किसान आंदोलन पर चिंता जता चुके हैं।

बाबा वेंगा की विचित्र भविष्यवाणी, वर्ष 2021 में ट्रंप हो जाएंगे बहरे और पुतिन पर होगा जानलेवा हमला

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोविड 19 के संक्रमण से परेशान दुनिया को नए साल के आगाज से पहले वायरल हो रहीं कुछ 'भविष्यवाणियां' और परेशान कर सकती है। 'बाल्कन की नास्त्रेदमस' कही जाने वाली बाबा वेंगा की वर्ष 2021 को लेकर की गईं भविष्यवाणियां में कहा गया है कि दुनिया को कई उथल-पुथल और आपदाओं का सामना करना पड़ेगा। 85 साल की उम्र में वर्ष 1996 में दुनिया को अलविदा कह चुकीं बाबा वेंगा ने 5079 ईस्वी तक के लिए काफी सारी भविष्यवाणियां की हुई हैं। अगले साल यानी 2021 के लिए की गईं उनकी भविष्यवाणियों में अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बहरा होना और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर जानलेवा हमला होना भी शामिल हैं।

ब्रिटिश न्यूज साइट 'डेली मेल' की रिपोर्ट के मुताबिक, बाबा वेंगा ने यह भविष्यवाणी भी की है कि साल 2021 में तीन 'दैत्य' एक हो जाएंगे और एक 'मजबूत ड्रैगन' पूरी मानवता को जकड़ लेगा। कुछ लोगों का आशय है कि मजबूत ड्रैगन से उनका आशय चीन की तरफ था। उन्होंने कहा था, 'हम विनाशकारी घटनाओं को देख रहे हैं, जो मानवता के भाग्य और नियति को बदल देंगे।' अगले साल को लेकर एक अच्छी भविष्यवाणी उन्होंने की है कि कैंसर का इलाज खोज लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'वह दिन आएगा, जब कैंसर को लोहे की जंजरी से बांध दिया जाएगा।'

बुल्गारिया में वर्ष 1911 में पैदा हुईं वेंगेलिया पांडेवा बाद में बाबा वेंगा के नाम से चर्चित हुईं। कहा जाता है कि उन्होंने 12 वर्ष की उम्र में ही एक तूफान के दौरान अपनी दोनों आंखें खो दी थीं। दावा किया जाता है कि इसके बाद उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि वह भविष्य की घटनाओं को देख सकती हैं। उनके नाम की चर्चा उस समय काफी हुई जब उनकी एक भविष्यवाणी को अमेरिका पर वर्ष 2001 में 9/11 को हुए हमले से जोड़कर बताया गया। बाबा वेंगा ने कहा था कि लोहे की दो पक्षियां अमेरिकी भाइयों पर हमला करेंगी। दो पक्षियों को दो जहाजों से जोड़ा गया और अमेरिकी भाइयों को ट्विन टावर्स से।

दावा किया जाता है कि उनकी कई भविष्यवाणियां सच हुई हैं, लेकिन ज्यादातर गलत ही साबित हुई हैं। उन्होंने अपनी अंतिम भविष्यवाणी की है कि वर्ष 5079 में दुनिया खत्म हो जाएगी। जहां तक ट्रंप और पुतिन से जुड़ीं भविष्यवाणियों का सवाल है तो उन्होंने इन दोनों शख्सियतों के बारे में ऐसी ही भविष्यवाणियां पिछले दो सालों में भी की थी लेकिन वे सच साबित नहीं हुईं। इसके अलावा बाबा वेंगा ने बर्बादी की एक और भविष्यवाणी की है कि अगले साल मुस्लिम कट्टरपंथी केमिकल अटैक करेके यूरोप को रौंद डालेंगे। हालाकि, इससे पहले बाबा वेंगा ने यह दावा भी किया था कि यूरोप में 'ग्रेट मुस्लिम वॉर' होगा, लेकिन ऐसा कुछ भी हुआ नहीं।

अमेरिका में फिर हुई अश्वेत व्यक्ति की हत्या, नाराज लोगों ने किया प्रदर्शन

कोलंबस। (एजेंसी)।

अमेरिका में ओहायो राज्य की राजधानी कोलंबस में एक पुलिस अधिकारी की गोली का शिकार हुए आद्रे हिल नाम के अश्वेत व्यक्ति के लिए न्याय की मांग को लेकर लोगों ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर प्रदर्शन किया। हिल के घर के पास प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए - ''यह किसकी सड़क है? हमारी सड़क है।'' कुछ लोग 'ब्लैक लाइव्स मैटर'लिखे बैनर भी लिए हुए थे। हिल (47) को इस सप्ताह मंगलवार को एक पुलिस अधिकारी ने गोली मार दी थी। कोलंबस के पुलिस प्रमुख थॉमस क्रिनलैन ने आद्रे हिल की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। क्रिनलैन ने बृहस्पतिवार को बयान जारी कर कहा कि आरोपी अधिकारी को इस सप्ताह सेवा से हटा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आरोपी अधिकारी एडम कॉय के खिलाफ दो आरोपों के तहत जांच शुरू की गई है। उसे हटाने की सिफारिश शहर के लोक सुरक्षा निदेशक को भेजी जाएगी। इस संबंध में सोमवार को फैसला आएगा। हिल की मौत से संबंधित एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह हाथ में मोबाइल फोन लिए एक गैराज से बाहर आता दिखाई देता है और उसी दौरान पुलिस अधिकारी उसे गोली मार देता है। अश्वेत व्यक्तियों की हत्या में संलिप्त पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ओहायो की राजधानी में बृहस्पतिवार को विरोध प्रदर्शन हुए। लोगों ने चार दिसंबर को पुलिस की गोली के शिकार हुए केसी गुडसन (23) के लिए भी न्याय की मांग को लेकर रविवार और बुधवार को प्रदर्शन किए। दोनों मामलों की जांच की जा रही है।

नेपाल की संसद भंग किए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के खिलाफ जारी किया कारण बताओ नोटिस

काठमांडू (एजेंसी)।

नेपाल की राजनीति में उठापटक जारी है। नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने संसद भंग किए जाने के फैसले को लेकर शुक्रवार को नेपाल सरकार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिसमें कहा गया कि वह संसद को अचानक भंग करने के अपने निर्णय पर एक लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करे। जज ने इस मामले की अगली सुनवाई 15 जनवरी को मुकर्रर की है।

नेपाली मीडिया के अनुसार 275 सदस्यीय संसद को भंग करने के सरकार के फैसले के खिलाफ दायर रिट याचिकाओं पर मुख्य न्यायाधीश चोलेंद्र शमशेर राणा की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ में प्रारंभिक सुनवाई के बाद नोटिस जारी किया गया है।

पीठ ने प्रधानमंत्री कार्यालय और मंत्रिपरिषद और राष्ट्रपति कार्यालय से लिखित स्पष्टीकरण की मांग की क्योंकि उन्हें सभी रिट याचिकाओं में प्रतिवादी बनाया गया है।

अदालत ने सरकार को सदन को भंग करने के लिए सरकार द्वारा की गई सिफारिशों की एक मूल प्रति और राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी द्वारा सरकार की सिफारिशों को प्रमाणित करने के लिए किए गए निर्णय को प्रस्तुत करने के लिए भी कहा है।

पांच सदस्यीय पीठ में जस्टिस बिशंभर प्रसाद श्रेष्ठ, तेज बहादुर केसी, अनिल कुमार सिन्हा और हरि कृष्ण कार्की शामिल हैं।

बुधवार को चीफ जस्टिस राणा की एकल पीठ ने सभी रिट याचिकाओं को संवैधानिक पीठ को भेज दिया। संसद को भंग करने के सरकार के फैसले को चुनौती देते हुए कुल मिलाकर 13 रिट याचिकाएं शीर्ष अदालत में दर्ज की गई हैं। बुधवार को सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ वकीलों ने संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि प्रधानमंत्री ओली को तब तक सदन को भंग करने का कोई अधिकार नहीं है जब तक कि एक वैकल्पिक सरकार बनाने की संभावना नहीं है। इस बीच प्रधानमंत्री ओली ने शुक्रवार शाम को कैबिनेट बैठक बुलाई है। प्रचंड के नेतृत्व वाले गुट के करीब सात मंत्रियों के इस्तीफे के बाद उन्होंने मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना जताई है। ओली के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में अब 18 सदस्य हैं जिनमें राज्य के मंत्री और मंत्री शामिल हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री कुरैशी ने कहा- भारत के साथ वार्ता की कोई संभावना नहीं

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा है कि वर्तमान में जो हालात चल रहे हैं उनमें

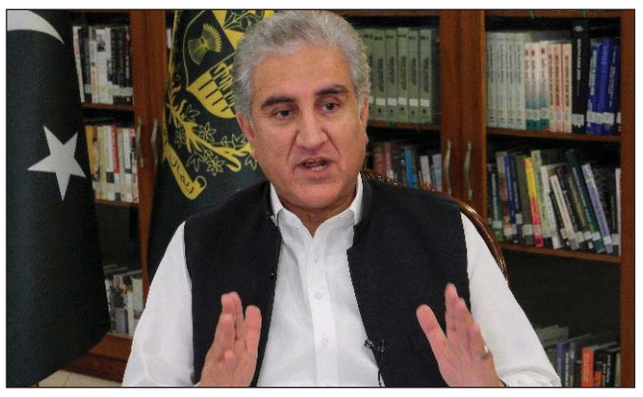

भारत के साथ कूटनीतिक वार्ता की कोई संभावना नहीं है। एक मीडिया रिपोर्ट में बृहस्पतिवार को यह कहा गया। नयी दिल्ली अपने इस रूख पर कायम है कि 'वार्ता और आतंकवाद' साथ-साथ नहीं चल सकते हैं तथा वह इस्लामाबाद से बार-बार यह कहता रहा है कि वह भारत के खिलाफ हमले करने के लिए जिम्मेदार विभिन्न आतंकी समूहों के खिलाफ स्पष्ट कदम उठाए।

डॉन अखबार ने कुरैशी के हवाले से कहा, ''वर्तमान हालात में भारत के साथ पीछे के दरवाजे से या फिर कूटनीतिक वार्ता की कोई संभावना नहीं है...इस वक्त संवाद के लिए परिस्थितियां उचित नहीं हैं।'' अखबार के मुताबिक कुरैशी अपने गृहनगर मुल्तान में संवाददाताओं से बात कर रहे थे जब उन्होंने ये टिप्पणियां कीं।

पठानकोट वायुसेना अड्डे पर 2016 में पाकिस्तान के आतंकवादी समूहों ने हमला किया था उसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध बेहद खराब हो गए। इसके बाद उरी में भारतीय सेना के शिविर पर हमले समेत कई अन्य हमलों के चलते दोनों देशों के बीच संबंध रसातल में चले गए।

कोरोना की नई स्ट्रेन के बाद ब्रिटेन में महामारी बढ़ी, इजराइल ने तेज किया टीकाकरण, अमेरिका ने उठाया यह कदम

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में कोरोना की दो नई खतरनाक स्ट्रेन के सामने आने के बाद वहां मामलों में तेज बढ़ोतरी देखी जा रही है। वहीं अमेरिका ने ब्रिटेन आने जाने वाले लोगों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। कोरोना की नई स्ट्रेन को देखते हुए इजराइल ने टीकाकरण अभियान को तेज करने का फैसला किया है। अमेरिका के मैक्सिको में टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया गया है। आइये जानते हैं कोरोना की नई स्ट्रेन को लेकर दुनिया में क्या उठाए जा रहे हैं कदम और महामारी के चलते क्या हैं मौजूदा हालात...

ब्रिटेन में बढ़ा महामारी का प्रकोप

ब्रिटेन में कोरोना वायरस का एक नया प्रकार मिलने के बाद महामारी का प्रकोप बढ़ गया है। इस यूरोपीय देश में बीते 24 घंटे के दौरान 39 हजार 36 नए संक्रमित पाए गए। इस अवधि में 574 पीड़ितों की मौत हुई। एक दिन पहले भी 39 हजार से अधिक मामले मिले थे, जबकि रिकॉर्ड 744 मरीजों ने दम तोड़े थे। गत अप्रैल के बाद पहली बार एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में रोगियों की जान गई थी। सनद रहे ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा था कि पुराने कोरोना के मुकाबले यह नया वैरिएंट तेजी से फैलता जाहिर हो रहा है।

मृतकों का आंकड़ा भी बढ़ा

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना की चपेट में आने वाले पीड़ितों की कुल संख्या 21 लाख 88 हजार से ज्यादा हो गई है। मरने वालों का आंकड़ा 69 हजार 625 हो गया है। कोरोना महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहे ब्रिटेन में हाल में वायरस का नया प्रकार मिलने की बात सामने आई थी। इसके बाद दुनिया के ज्यादातर देशों ने इस देश के लिए उड़ानों पर रोक लगा दी। कोरोना का यह नया वैरिएंट 70 फीसद अधिक संक्रामक बताया जा रहा है।

इजराइल ने तेज किया टीकाकरण

इजराइल में नई स्ट्रेन को देखते हुए कोविड-19 टीकाकरण अभियान को तेज किया जाएगा और यह 24 घंटे हफ्ते के सभी सात दिन बिना अवकाश के फॉरमेट से आगे बढ़ेगा। समाचार एजेंसी आइएएनएस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि यह फैसला देश में कोरोना की नए स्ट्रेन के मामले सामने आने के बाद लिया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्वास्थ्य मंत्री यूली एडेलस्टीन ने अभियान को तेज करने का फैसला किया है।

अमेरिका में ब्रिटिश यात्रियों के लिए निगेटिव टेस्ट अनिवार्य

अमेरिका ने ब्रिटेन के हवाई यात्रियों के लिए निगेटिव कोरोना टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। ब्रिटेन में कोरोना का नया वैरिएंट मिलने के बाद यह कदम उठाया गया है। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन ने बताया कि ब्रिटिश यात्रियों को निगेटिव टेस्ट का नतीजा एयरलाइंस को मुहैया कराना होगा। यह नया आदेश सोमवार से प्रभावी होगा। दुनिया में कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित अमेरिका में कुल एक करोड़ 86 लाख 49 हजार से ज्यादा संक्रमित मिले हैं। तीन लाख 29 हजार से अधिक पीड़ितों की मौत हुई है।

एक नजर इन देशों पर

रूस : 29 हजार 18 नए मामले मिलने के बाद पीड़ितों की संख्या 29 लाख 92 हजार से ज्यादा हो गई। 53 हजार 659 पीड़ितों की मौत हुई है।

इटली : इस देश में 18 हजार नए संक्रमित पाए जाने के बाद पीड़ितों का आंकड़ा 20 लाख के पार पहुंच गया। कुल 70 हजार 900 मौत हुई है।

जर्मनी : बीते 24 घंटे में 25 हजार 533 नए पॉजिटिव केस मिलने से देश में कुल मामले 16 लाख 12 हजार हो गए हैं। 29 हजार 182 की जान गई है।

चीन : तटीय शहर डालियान में एक दिन में सात संक्रमित मिलने के बाद यहां रहने वाले लाखों लोगों की जांच के लिए अभियान चलाया गया है।

मेक्सिको में टीकाकरण शुरू

वहीं दूसरी ओर मेक्सिको में कोविड टीकाकरण अभियान को शुरू कर दिया गया है। समाचार एजेंसी आइएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों को फाइजर और इसकी जर्मन सहयोगी बायोएनटेक की वैक्सीन दी जा रही है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि टीकाकरण में सबसे पहले स्वास्थ्य कर्मियों को प्राथमिकता दी जा रही है। मालूम हो कि मेक्सिको की राजधानी कोरोना के कहर से सर्वाधिक प्रभावित रही है। यहां कोरोना के 302,199 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 20,472 लोगों की जान चली गई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड नियमों का उल्लंघन करने पर पास नेता अल्पेश कथीरिया समेत ७ गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

सूरत पुलिस ने कोविड नियमों का उल्लंघन करने पर पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) नेता अल्पेश कथीरिया समेत ७ लोगों को गिरफ्तार किया है। सूरत में रात्रि कर्फ्यू है और इस कर्फ्यू के बीच अल्पेश कथीरिया ने अपना जन्म दिन मनाया था। जिसमें कई लोग शामिल थे। सूरत जिले के कोसमडी गांव स्थित सहजानंद फार्म हाउस में आयोजित पार्टी में लोकसंगीत, डीजे और भोजन समारोह की व्यवस्था की गई थी। जन्म दिन की पार्टी में शामिल ज्यादातर लोगों ने न तो सोशल डिस्टेंस मेंटेन किया और न ही मास्क लगाया था। घटना का वीडिया वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने अल्पेश कथीरिया को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा फार्महाउस के मालिक डीएम बुटानी, धार्मिक मालविया, संजय मावाणी, निकुंज काकडिया, निलेश कुंभाणी को भी कामरेज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही १५ से ज्यादा लोगों के खिलाफ एपेडेमिक एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। सेवा में लापरवाही बरतने पर एक एएसआई और तीन पुलिस कांस्टेबलों को सस्पैंड कर दिया गया है।

चरस के साथ तीन शख्स गिरफ्तार, मोबाइल समेत २.८१ लाख माल जब्त

क्रांति समय दैनिक

सूरत शहर की पूणा पुलिस ने रघुवीर टेक्सटाइल मार्केट के निकट से दो राजस्थानी और एक स्थानीय समेत तीन शख्सों को ४७२ ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए शख्सों से मोबाइल समेत रु २.८१ लाख का माल-सामान जब्त कर पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत की पूणा पुलिस की टीम गश्त पर थी। उस वक्तपूर्व सूचना के आधार पर शहर की रघुवीर टेक्सटाइल मार्केट के निकट से चरस की सप्लाई करने आए राजस्थान के लाडुनाथ, प्रकाश उर्फ सूरज नामक दो शख्सों और चरस लेने आए सूरत के वराछा में रहनेवाले जिग्नेश ठाकोर को पुलिस ने दबोच लिया। पकड़े गए शख्सों से पुलिस ने रु २.३६ लाख कीमत का ४७२ ग्राम चरस बरामद किया।

पुलिस ने तीन मोबाइल फोन और एक मोपेड समेत कुल रु २.८१ लाख का माल सामान जब्त कर लिया।

पूछताछ में पता चला कि हिमाचल प्रदेश के नोलाराम ने चरस भेजी थी। जिसे सूरत में सप्लाई करने लाडुनाथ और प्रकाश आए थे। रितेश पांडे नामक शख्स ने जिग्नेश ठाकोर को लाडुनाथ और प्रकाश से चरस लेने भेजा था।

पुलिस ने नोलाराम, रितेश पांडे समेत तीन लोगों को वांटेड घोषित कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

सतर्क रहे

क्रांति समय के नाम पर लोगो बना कर बिना परमीशन के सरकारी-अर्धसरकारी विभाग में जाकर पत्रकार और सवाददाता बता कर लोगो को ब्लेकमेलिंग कर रहे लोगों से सावधान किसी प्रकार का लेनदेन या जानकारी देने के पहले आई कार्ड जरूर जाँच ले, किसी भी शंकास्पद व्यकित की जानकारी के लिए हमारे नबर पर कोल कर जानकारी दे सकते हैं या नजदीक के पुलिस स्टेशन पर जानकारी दीजिए. संपादक सुरेश मौर्या

9879141480

गोंडल के सब जेल के जेलर गिरफ्तार, गुजसीटोक के तहत केस दर्ज

क्रांति समय दैनिक

राजकोट जिले के गोंडल सब जेल में कुख्यात दोंगा गिरोह को सुविधाएं मुहैया कराना जेलर को महंगा पड़ गया है। एक महीने से फरार जेलर को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ गुजसीटोक के तहत केस दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक राजकोट जिले को गोंडल शहर के वोराकोटडा रोड स्थित सब जेल में गांधीनगर और अहमदाबाद के चेकिंग स्क्वॉड ने रेड की थी। उस वक्तकुख्यात निखिल दोंगा समेत अन्य बाहर के ८ से १० लोग गार्डन में बैठकर भोजन का लुत्फ उठा रहे थे। इस घटना के बाद सब जेल के जेलर डीके परमार क खिलाफ कैदियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के आरोप लग रहे है। आरोप है कि डीके परमार आर्थिक लाभ के लिए कैदियों को मोबाइल के अलावा बाहर से खान-पान की वस्तुएं उपलब्ध कराते थे। निखिल दोंगा गिरोह के खिलाफ गुजसीटोक के तहत मामला दर्ज किया गया था। कैदियों को सुविधाएं मुहैया कराने में अपना नाम सामने आने के बाद जेलर डीके परमार फरार हो गए थे। राजकोट पुलिस ने आज डीके परमार को गिरफ्तार कर लिया और उनके खिलाफ गुजसीटोक के तहत केस दर्ज अदालत में पेश कर सात दिन की रिमांड मांगी थी।

कोर्ट ने १ जनवरी २०२१ तक डीके परमार की रिमांड मंजूर की है।

राज्य में किसी जेलर के खिलाफ गुजसीटोक के तहत मामला दर्ज किए जाने की यह पहली घटना है।

जेल में कुख्यात दोंगा गिरोह को सुविधाएं मुहैया कराने का आरोप

११ साल की किशोरी से छेड़छाड़ के आरोप में युवक गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

मोरबी हलवद में ११ वर्ष की किशोरी के घर में एक शख्स घुस गया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। किशोरी की चीख पुकार से आसपास के लोग जमा हो गए और युवक को पकड़कर पहले उसकी जमकर धुनाई की और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने युवक के खिलाप पोक्सो के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की। जानकारी के मुताबिक मोरबी जिले के हलवद में एक परिवार की ११ वर्षीय घर में अकेली थी। माता-पिता किसी कार्यवश से घर बाहर गए थे। किशोरी को घर में अकेला देख ध्रांगध्रा में रहनेवाले साहिल सलीम घांची नामक शख्स उसके घर में घुस गया और किशोरी का हाथ पकड़ उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ करने लगा। अचानक घर में घुस युवक और हरकतों से डरी किशोरी चीखने चिल्लाने लगी। किशोरी की

आवाज सुनकर आसपास रहने वाले उसके घर पहुंच गए और साहिल नामक युवक को दबोच लिया। पहले साहिल की अच्छे से खातिरदारी की और बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया। किशोरी की माता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने साहिल घांची के खिलाफ पोक्सो समेत अन्य दफाओं के तहत मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

कलोल मकान ब्लास्ट में आज एक और मौत, दंपत्ति की एक साथ निकली अर्थी

क्रांति समय दैनिक

गांधीनगर जिले के कलोल की गार्डन सिटी में तीन दिन पहले ब्लास्ट हुआ था। जबर्दस्त धमाके से दो मकान धराशायी हो गए थे। घटना के दिन एक युवक की मौत हो गई थी और पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों में आज एक महिला मौत हो गई। घटना में मारे गए दोनों पति-पत्नी थे और आज दोनों की अर्थी एक साथ निकलने से स्थानीय लोगों की आंखें छलक गईं। सुरेन्द्रनगर जिले की लींबडी के चूडा के मूल निवासी अमित दवे अपनी पत्नी पिनल दवे और दादी हंसाबेन दवे के साथ गांधीनगर जिले के कलोल स्थित गार्डिन सिटी में किराए के मकान में रहते थे। अमित दवे के पिता जनकभाई वीरेन्द्रभाई दवे, माता रेखाबेन और भाई रवि दवे कनाडा में रहते हैं। मंगलवार की सुबह गार्डन सिटी में जबर्दस्त ब्लास्ट होने से दो मकान ढेर हो गए थे। इस घटना में गंभीर रूप से घायल अमित दवे की उसी दिन मौत हो गई थी। जबकि उसकी पत्नी और दादी गंभीर रूप से घायल हुए थे। दोनों का सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना के बाद अमित दवे का पूरा परिवार कनाडा से कलोल आ गया। कलोल में आज पुत्र अमित दवे के अंतिम संस्कार की तैयारियां की जा रही थीं, वहीं अस्पताल से उनकी पत्नी पिनल की मौत की खबर ने परिवार को झकझोर कर रख दिया। किराए मकान ढहने से

बेटे-बहु की अंतिम यात्रा मौसी के घर से निकली।

एक साथ पति-पत्नी निकलने से स्थानीय लोगों की आंखें भर आईं।

कच्ची हल्दी की आड़ में शराब तस्करी, बोलेरो जीप ड्राइवर गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

वलसाड, मद्य निषेध गुजरात में आगामी थर्टी फर्स्ट से शराब तस्करी तेज हो गई है। कोरोनाकाल में पहले सतर्क पुलिस थर्टी फर्स्ट को लेकर और भी चौंकन्ना हो गई है और शराब माफियाओं की नई तरकीबों को फैल करते हुए बड़े पैमाने पर शराब पकड़ रही है। वलसाड पुलिस ने कच्ची हल्दी की आड़ में शराब तस्करी का पर्दाफाश करते हुए बड़ी मात्रा शराब जब्त की है। वलसाड जिले की पारडी तहसील के अरनाला गांव के निकट एलसीबी पुलिस देर रात वाहनों की जांच कर रही थी। उस वक्त पुलिस ने एक बोलेरा जीप को रूकने का इशारा किया। लेकिन पुलिस को देख ड्राइवर ने जीप को रफ्तार दे दी। पुलिस ने जीप का पीछा किया। इस दौरान अंधेरे का लाभ लेकर ड्राइवर और क्लीनर जीप को सड़क पर छोड़ फरार हो गए। हांलाकि पुलिस ने अंधेरे में ड्राइवर का पीछा कर उसे दबोच लिया। लेकिन क्लीन भागने में सफल हो गया। डाला

जीप की जांच में कच्ची हल्दी के नीचे बड़े पैमाने पर शराब बरामद हुई। पुलिस ने रु ९८ हजार कीमत की विदेशी शराब समेत डाला जीप को जब्त कर लिया। पूछताछ में जीप के ड्राइवर ने बताया कि पकड़ी गई शराब सिलवासा से सूरत ले जा रहा था। सिलवासा से गुजरात में प्रवेश करते ही जीप की पायलोटिंग की जा रही थी। हांलाकि पायलोटिंग करने वाले शख्स भी फरार हो गया। पुलिस क्लीनर विनल पटेल और पायलोटिंग करने वाले रिन्कु के अलावा सिलवासा से भेजने वाले हार्दिक और मंगवाने वाले सूरत के प्रतीक नामक शख्सों को फरार घोषित कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

कठलाल तहसील भाजपा के १२ पदाधिकारियों समेत ४० नेताओं ने दिए इस्तीफे

क्रांति समय दैनिक

खेडा शहर भाजपा के बाद अब कठलाल तहसील भाजपा के ४० कार्यकर्ताओं के इस्तीफे से पार्टी में हड़कम्प मच गया है। गुजरात प्रदेश भाजपा सीआर पाटील ने हाल में खेडा जिला के पदाधिकारियों की नियुक्ति की थी। जिले के स्थानीय पदाधिकारियों को नियुक्ति की गई थी। नियुक्ति के बाद खेडा जिला भाजपा में असंतोष व्याप्त है। इसके चलते खेडा शहर के बाद कठलाल तहसील भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। १२ पदाधिकारी समेत १० से अधिक कार्यकर्ता, पूर्व महासचिव, तहसील उप प्रमुख, शक्ति केन्द्र के प्रमुख, जिला संयोजक, युवा मोर्चा के सदस्यों के एक साथ इस्तीफे से भाजपा में हड़कम्प मच गया है। इन सभी ने कठलाल तहसील के नए प्रमुख और महासचिव के विरोध में इस्तीफा दिया है। बता दें कि दो दिन पहले खेडा शहर भाजपा के ७० से अधिक कार्यकर्ताओं ने इस्तीफा दिया था।

खेडा के बाद अब जिले की कठलाल तहसील में ४० कार्यकर्ताओं ने इस्तीफा दिया है।

शिक्षा और स्वास्थ्य से लोगों के जीवन में बदलाव ही सच्चा सुशासनः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि अटल जी का जन्मदिवस सरकार द्वारा पूरे देश में सुशासन दिवस के तौर पर मनाया जाता है, तब लोगों की स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी जरूतों को पूरा कर उनका जीवनस्तर उंचा उठाने का प्रयास ही सच्चा सुशासन है। शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर जन-मन अभियान के अंतर्गत गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वलसाड़ जिले के धरमपुर में आरोग्य सेवा रथ- 'अटल-सेवा-शटल' का ई-उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद राजचंद्र मिशन ने वलसाड़ जिले के धरमपुर और कपराड़ा के दूरस्थ आदिवासी क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कृति की रक्षा तथा श्रीमद राजचंद्र के सिद्धांतों एवं सभी जीवों के कल्याण का जो प्रयास किया है वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि शिक्षा के जरिए लोग शिक्षित बने और स्वास्थ्य के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव आए इसलिए ही आज सुशासन दिवस के अवसर पर आरोग्य सेवा रथ- अटल-सेवा-शटल का शुभारंभ इस क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण बना है। रूपाणी ने कहा कि इस अटल-सेवा-शटल के मार्फत हम दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक स्वास्थ्य सुविधा बेहतर तरीके से पहुंचा सकेंगे। उन्होंने कहा कि लोगों का स्थल पर ही निदान हो, दवाईयां मिलें और लोग निरोगी बनें विशेषकर आदिवासी क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों को कुपोषण से मुक्तकरने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी के जीवन में राष्ट्रवाद का भाव हमेशा सबसे पहले था जिसमें भारत प्रथम और भारतमाता को परम वैभव के शिखर पर विराजित करने की उनकी कल्पना शामिल थी। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल प्रदान कर भारत को जगत जननी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं ऐसे में, आने वाले समय में अटल जी की संकल्पना के अनुसार इस देश की संस्कृति, परंपरा, विरासत और इतिहास पुन: उजागर होगा। मुख्यमंत्री ने स्व. अटल जी के जन्मदिवस के अवसर पर उन्हें वंदन करते हुए श्रद्धांजलि दी और कहा कि अटल जी ने एकात्म मानवदर्शन, सांस्कृतिक भारत की एकता, अखंडता और राजनीति में भी नैतिक मूल्यों की स्थापना की थी, जो हम सभी के लिए बहुत प्रेरणादायी साबित हुई है। अटल जी की कविताएं और भाषण आज भी गुंजायमान हैं और हजारों लोगों को प्रेरणा और जीवन का दिशा-निर्देश दे रहे हैं। पूज्य गुरूदेव राकेश मुनि जो एक मिशन के साथ श्रीमद राजचंद्र जी के सिद्धांतों के आधार पर धरमपुर और कपराड़ा के दूरदराज के गरीब लोगों के उत्कर्ष के लिए जो कार्य कर रहे हैं उसके लिए मुख्यमंत्री ने श्रीमद राजचंद्र मिशन के ट्रस्टी और कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि जन-मन अभियान के तीसरे चरण में वलसाड़ जिला प्रशासन और धरमपुर स्थित श्रीमद राजचंद्र आश्रम के संयुक्त उपक्रम से जन कल्याण की दिशा में आरोग्य सेवा रथ- 'अटल-सेवा-शटल' की शुरूआत सुशासन दिवस के मौके पर धरमपुर में की गई है। श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमपुर के ट्रस्टी श्री आत्मार्पित नेमि जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमद राजचंद्र मिशन के सेवा कार्यों, गतिविधियों और अटल-सेवा-शटल आरोग्य रथ के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर धरमपुर में महानुभावों के हाथों लाभार्थियों को मंजूरी पत्र और किट का वितरण किया गया। विधायक श्री अरविंदभाई पटेल तथा कोटक महिंद्रा बैंक के संयुक्तप्रबंध निदेशक दीपक गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्तकिए। वलसाड़ जिला कलक्टर आर.आर. रावल ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में वलसाड़ जिला भाजपा अध्यक्ष हेमंतभाई कंसारा, जिला विकास अधिकारी, श्रीमद राजचंद्र मिशन के न्यासीगण, धरमपुर प्रांत अधिकारी सहित कई महानुभाव और लाभार्थी उपस्थित थे।

अटल जी के जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री ने धरमपुर में आरोग्य रथ- 'अटल-सेवा-शटल' का किया ई-शुभारंभ

आरोग्य सेवा रथ 'अटल-सेवा-शटल' के बारे में...

'अटल-सेवा-शटल' के मुख्य दो भाग होंगे। जिसमें से पहले भाग में वलसाड़ जिले की धरमपुर और कपराड़ा तहसील के सभी गांवों में केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य और महिला एवं बाल कल्याण की सभी कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके तहत प्रधानमंत्री मातृवंदना, आंगनवाड़ी केंद्र, राष्ट्रीय पोषण अभियान, पूर्णा, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व, कुपोषण मुक्तगुजरात, बाल सखा, बाल संजीवनी, चिरंजीवी, मुख्यमंत्री अमृतम- मा कार्ड, मा वात्सल्य और आयुष्मान भारत, जननी सुरक्षा और व्हाली दीकरी योजना के तहत बच्चों, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं की देखभाल, वरिष्ठ नागरिकों तथा टीबी, डायबिटीज और हाई बीपी जैसी बीमारियों से पीड़ित लोगों का विशेष ख्याल रखा जाएगा। जबकि दूसरे भाग में सामाजिक सुरक्षा के तहत विधवा सहायता, इंदिरा आवास, संकट मोचन, निराधार वृद्ध पेंशन, अटल पेंशन, कुंवरबाई नुं मामेरु दिव्यांग छात्रवृत्ति, उपकरण-सहायता, डिसेबिलिटी पेंशन, संत सुरदास, पीएम किसान और कृषि योजनाओं सहित तमाम नागरिकों का लाभार्थी योजना में सौ फीसदी नामांकन और उन तक लाभ पहुंचाना, राशन कार्ड की तमाम सेवा, अधिकार पत्र में उत्तराधिकार की प्रवृष्टि, मकान सहायता जैसी योजनाओं का लाभ घर बैठे मुहैया कराने की व्यवस्था की जाएगी। 'अटल-सेवा-शटल' के लाभ के लिए रूट निर्धारित किए जाएंगे। इस रथ में मेडिकल स्टाफ सहित राजस्व पटवारी भी मौजूद होगा जो लाभार्थियों के फार्म भरकर उसे संबंधित शाखा में भेजेगा।

गांव में रथ के कार्यक्रम को लेकर दो दिन पूर्व जानकारी दी जाएगी ताकि पटवारी और सरपंच आदि के मार्फत गांव में इसका प्रचार कर अधिकाधिक लोगों को लाभ मुहैया कराया जा सके।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किसानों के हित में कांग्रेस घड़ियाली आंसू बहा रही है

स्वामीनाथन रिपोर्ट को दबाने वाली कांग्रेस ने कभी किसानों का हित नहीं चाहा : योगी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने समय में किसानों के हित वाली स्वामीनाथन रिपोर्ट को लागू करने की जगह उस पर आठ साल तक कुंडली मारकर बैठी रही। मुख्यमंत्री योगी यहां मोहनलाल गंज में आयोजित कार्यक्रम में किसानों से संवाद करते हुए विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के हित में कांग्रेस घड़ियाली आंसू बहा रही है। केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे लागू किया। कहा कि अपने समय में किसानों के हित वाली स्वामीनाथन रिपोर्ट को लागू करने की जगह कांग्रेस उस पर आठ साल तक कुंडली मारकर बैठी रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि, आज जिन लोगों को देश की प्रगति और किसानों तरक्की अच्छी नहीं लगती वह षड़यंत्र करने में लगे हैं। यूपी में किसानों के साथ धोखेबाजी करने वालों के लिए जेल ही परमानेंट ठिकाना है। किसानों के हितों की रक्षा प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसानों और युवाओं का सच्चा हितैषी बताया और कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी द्वारा किसानों युवाओं के हितों में शुरू किये गए कार्यक्रमों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नये सुधारों के साथ आगे बढ़ा रहें हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर पांच किसानों को ट्रैक्टर की चाभी, तीन को राइस पोर्टेबल मिलर मशीन तथा एक को स्मॉल ऑयल एक्सट्रेक्शन मशीन भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाना सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि किसानों को समृद्धि के लिए कार्यक्रम बनाने का कार्य आजादी के बाद श्रद्धेय अटल जी के कार्यकाल 1998 में ही शुरू हुआ था। आज पीडीएस की जो व्यवस्था देखने को मिल रही है, अंत्योदय, अन्नपूर्णा योजना तथा कई अन्य योजनाएं पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की ही देन हैं। इन योजनाओं की वजह से आज गरीबों को निशुल्क और सस्ते में खाद्यान्न देने का काम हो रहा है। यहीं नहीं आजादी के बाद पहली बार ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर जोर देने का काम अटल जी की सरकार में शुरू हुआ था। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना प्रारम्भ होने से गांव पक्के मार्गों से जुड़ना शुरू हुए थे। आज हर गांव में अच्छे पक्के मार्ग हैं, किसान अपनी उपज को मंडियों और बाजार तक ले जा सकता है तो इसका श्रेय भी श्रद्धेय अटल जी को जाता है। इस दौरान मुख्यमंत्री के हाथों से ट्रैक्टर की चाभी पाने वाले राधेश्याम की खुशी का कोई ठिकाना ही नहीं है, उन्हें पहली बार जीवन में सरकार से कोई सम्मान मिला। ऐसे में जब उन्हें मुख्यमंत्री के हाथों से ट्रैक्टर की चाभी मिली तो उनकी आंखों में आंसू आ गए।

आतंकवाद से निपटने के लिए अब 825 स्थानों को कवर करेगा आईबी का नेटवर्क

नई दिल्ली।

आतंकवाद से निपटने के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से भारत की घरेलू खुफिया एजेंसी और आंतरिक सुरक्षा की निगरानी करने वाली इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) अपने मल्टी-एजेंसी सेंटर (मैक) नेटवर्क को जिला स्तर तक बढ़ा रही है। आईबी का मैक नेटवर्क अब पूरे देश में 825 स्थानों को कवर करेगा। वर्तमान में मैक के नेटवर्क में कुल 374 स्थान कवर होते हैं, जिसे दिसंबर 2001 में कारगिल संघर्ष के बाद बनाया गया था। इसे आतंकवाद से संबंधित सभी खुफिया सूचनाओं को साझा करने और उनका विश्लेषण करने के उद्देश्य से एक मंच के रूप में स्थापित किया गया था। नेटवर्क को अब राज्य पुलिस प्रमुखों के परामर्श से चयनित 475 जिलों तक बढ़ाया जा रहा है। 475 चिन्हित स्थानों में से 451 को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए संभव पाया गया है, जिसमें से 174 जिले पहले से ही जुड़े हुए हैं। जब इस पर काम पूरा हो जाएगा, तो यह नेटवर्क देश के 825 स्थानों को कवर करेगा। 21 दिसंबर को संसद में रखी गई गृह मंत्रालय की अनुदान मांगों पर राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता आनंद शर्मा की अध्यक्षता में गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति की एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया। मैक ने आतंकवाद से संबंधित जानकारी और डेटा को साझा करने के लिए संचार और कनेक्टिविटी की एक व्यापक प्रणाली स्थापित की है। इस उद्देश्य के लिए राष्ट्रीय राजधानी 25 केंद्रीय सदस्य एजेंसियों और सभी राज्यों की राजधानियों से जुड़ी हुई है। सरकार ने अब मैक नेटवर्क बेस का विस्तार करने की योजना बनाई है। आईबी की अध्यक्षता फिलहाल 1984 बैच के आईपीएस अधिकारी अरविंद कुमार कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, एनएमबी सॉफ्टवेयर में सभी मैक और राज्य पुलिस सर्वरों पर इस्तेमाल किया गया है। इंटेलिजेंस ब्यूरो और कुछ अन्य राज्यों सहित कई अन्य एजेंसियों की ओर से डेटाबेस पर पहले ही बड़ी मात्रा में डेटा अपलोड किया जा चुका है। इसके अलावा मैक संबंधित एजेंसियों से संबंधित औसतन हर दिन लगभग 150 इनपुट्स को इकट्ठा करता है, स्टोर करता है और इनके साथ साझा करता है। इसके बाद विशेष अलर्ट जारी किया जाता है।

ई-टिकटिंग साइट के फीचर को बढ़ाएगा रेलवे : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर बढ़ी सुविधाओं और सरल डिजाइन के साथ-साथ अपनी ई-टिकटिंग वेबसाइट के यूजर पर्सनाइलेजशन और सुविधा को बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। इससे पहले दिन में, गोयल ने ई-टिकटिंग प्रणाली पर किए जा रहे अपग्रेडेशन की समीक्षा की। मंत्री ने कहा कि ई-टिकटिंग वेबसाइट को यात्रियों को उनकी ट्रेन यात्रा के लिए पूरी सुविधा उपलब्ध कराना चाहिए। रेलवे की टिकटिंग वेबसाइट इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) ऑनलाइन यात्री आरक्षण की सुविधा प्रदान करती है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 2014 के बाद से, टिकट बुकिंग के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा को बेहतर बनाने पर एक नया जोर दिया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि आईआरसीटीसी वेबसाइट रेलवे के साथ यात्रा करने वाले नागरिकों का पहला संपर्क केंद्र है और यह अनुभव सुविधाजनक होना चाहिए। उन्होंने कहा, नए डिजिटल इंडिया के तहत, अधिक से अधिक लोग अब आरक्षण काउंटरों पर जाने के बजाय ऑनलाइन टिकट बुक करने की ओर बढ़ रहे हैं और इसलिए, आईआरसीटीसी वेबसाइट को लगातार अपने आप को अपग्रेड करने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करने की आवश्यकता है।

केरल में 21 वर्षीय छात्रा बन सकती है मेयर

तिरुवनंतपुरम। माकपा ने 21 वर्षीय आर्या राजेंद्रन को मेयर प्रत्याशी के रूप में चुना है। पार्टी की जिला समिति और राज्य समिति ने उनकी उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है। आर्या राजेंद्रन बीएससी गणित की छात्रा हैं और पार्टी की छला क्षेत्र समिति की सदस्य हैं। वह देश की सबसे कम उम्र की मेयर होंगी और इसके साथ पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि अब और शिक्षित महिलाएं नेतृत्व की भूमिका में सामने आएंगी। पार्टी ने हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में 100 सदस्यीय परिषद में 51 सीटें जीती हैं। 35 सीटों के साथ भाजपा यहां मुख्य विपक्षी पार्टी है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को 10 पार्षदों के साथ तीसरा स्थान मिला था। निगम में चार निर्दलीय पार्षद हैं। आर्या राजेंद्रन ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा, यह पार्टी का निर्णय है और मैं इसका पालन करुं गी। चुनाव के दौरान, लोग मुझे पसंद करते थे क्योंकि मैं एक छात्रा हूं और लोग अपने प्रतिनिधि के तौर पर एक शिक्षित व्यक्ति को चाहते थे। मैं अपनी शिक्षा जारी रखूंगी और मेयर के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करुं गी।

आयुर्वेद चिकित्सा में रस औषधियों का विशेष स्थान, कोविड संक्रमण रोकने में प्रभावकारी : अश्विनी चौबे

पटना।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने शुक्रवार को कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा में रस औषधियों का अपना एक विशेष स्थान रहा है। वास्तव में रस औषधियों का प्रचलन ही आशुकारी चिकित्सा के रूप में हुआ था। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण को भी रोकने में रस औषधियां विशेष रूप से प्रभावकारी हैं। प्रभावशाली रस औषधियों का निर्माण किया जाता है। कोविड-19 भी एक संक्रामक बीमारी है और इनमें भी आशुकारी चिकित्सा की जरूरत है। पटना के राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय में दो दिवसीय रोल अफ रस औषधि इन मैनेजमेंट ऑफ कोविड-19 विषय पर आयोजित सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोविड-19 निश्चित रूप से मानव जाति के लिए बहुत बड़े खतरे के रूप में उत्पन्न हुआ है। इतिहास गवाह है कि जब-जब मानव जाति पर किसी भी प्रकार का आक्रमण हुआ है, हमारे ऋषि-महर्षियों ने उस आक्रमण से विश्व का बचाव किया है।

आयुर्वेद की उत्पत्ति में भी कुछ इसी प्रकार की बातें देखने को मिलती हैं। रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा आयोजित इस सेमिनार में चौबे ने कहा कि, आज वैज्ञानिकों चिकित्सकों की जो यह बड़ी-बड़ी गोष्ठी आयोजित हो रही हैं। ऐसा पूर्व से हमारे इस महान देश में होता आ रहा है। चरक संहिता में तो कई स्थानों पर इस प्रकार की गोष्ठियों का वर्णन भी मिलता है। उन्होंने कहा, मैंने देखा है कि कोविड-19 के इस संक्रमण काल में करोड़ों-करोड़ों भारतीय आयुष काढ़ा एवं आयुर्वेद में बताए गए इम्युनिटी बढ़ाने वाले उपाय एवं योग तथा प्राणायाम का सहारा लेकर अपने आप को सुरक्षित रख सके हैं।

इस कार्यक्रम में साइंटिफिक स्टेशन के मुख्य वक्ता डॉ. प्रोफेसर आर के शर्मा, प्रोफेसर संजय कुमार, ने भी अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

पंजाब, हरियाणा में किसान और भाजपा कार्यकर्ता आमने-सामने

चंडीगढ़।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 96वीं जयंती के अवसर पर पंजाब और हरियाणा में प्रदर्शनकारी किसानों और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच शुक्रवार को तनाव बना रहा। किसान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की ओर से लाए गए तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं। पंजाब और हरियाणा के कुछ स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ता और किसानों के बीच मामूली झड़पें हुईं। पंजाब के बठिंडा और जालंधर और हरियाणा के कैथल शहर में झड़प देखी गई। बठिंडा में उत्तेजित किसान उस स्थान पर पहुंचे, जहां भाजपा कार्यकर्ता वाजपेयी की जयंती मनाने के लिए एक समारोह आयोजित करने जा रहे थे। आरोप लगाया गया है कि उनके साथ कथित तौर पर मार-पिटाई की गई और पथराव किया गया। प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पुलिस को हलका बल प्रयोग करना पड़ा। बाद में किसान वहां धरने पर बैठ गए। किसान यूनियन भाकियू (एकता उग्राहन) के नेता मोथू कोटरा ने कहा, किसान दिल्ली की सीमाओं पर भीषण ठंड के बावजूद खुले में बैठे हैं और भाजपा यहां कुछ जश्न मना रही थी। विरोध के तौर पर हमने उन्हें समारोह को करने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा, राज्य के भाजपा नेताओं के खिलाफ हमारा विरोध तीन महीने से अधिक समय से चल रहा है। इसी तरह किसानों ने भाजपा को जालंधर शहर में भी ऐसा ही आयोजन नहीं करने दिया। हरियाणा के कैथल शहर में भी किसान काफी आक्रामक देखे गए। किसानों के विरोध के चलते प्रदेश में भाजपा की सहयोगी जननायक जनता पार्टी (जजपा) के विधायक ईश्वर सिंह को सुशासन दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम बीच में ही छोड़ना पड़ा। उन्हें किसानों के सामूहिक विरोध का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वह कार्यक्रम छोड़ने को मजबूर हो गए। कार्यक्रम स्थल को छोड़ते समय पुलिस ने विधायक को सुरक्षा की दृष्टि से वहां से निकलने में मदद की। तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए किसानों ने शुक्रवार को पूरे हरियाणा में तीन दिनों के लिए टोल प्लाजा पर विरोध जताने का निर्णय लिया है।

कमल नाथ की उम्मीदवार चयन प्रक्रिया पर कांग्रेस नेता ने ही उठाए सवाल

ग्वालियर।

मध्य प्रदेश कांग्रेस में नगरीय निकाय के चुनाव के लिए उम्मीदवारी तय करने के लिए चल रही रायशुमारी के दौरान ही आरोपों का दौर शुरु हो गया है। ग्वालियर में तो पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव ने पूर्व में विधानसभा के चुनाव के लिए उम्मीदवारी चयन के लिए अपनाई गई सर्वे प्रणाली पर ही सवाल उठाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ पर हमला बोला। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने राज्य में सह प्रभारियों की नियुक्ति की है। इन सह प्रभारियों को अलग-अलग हिस्से की जिम्मेदारी सौंपी गई है, यह सह प्रभारी अन्य नेताओं के साथ अपने-अपने क्षेत्र में बैठकें कर रहे हैं। इन बैठकों में नगरीय निकाय चुनाव के उम्मीदवारों पर भी चर्चा हो रही है। शुक्रवार को ग्वालियर में कांग्रेस नेताओं की बैठक हुई, इसमें सह प्रभारी सुधांशु और पूर्व मंत्री बृजेंद्र सिंह राठौर मौजूद रहे। इस बैठक में पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव ने पार्टी की उम्मीदवारी चयन की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि, विधानसभा के चुनाव में उम्मीदवारों का ठीक तरह से चयन होता, टिकट सही तरीके से बांटे जाते तो और भी स्थानों पर जीत मिलती।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई तो यही कहा गया कि सर्वे-सर्वे, मिलेंगे टिकट, रखे रहे गए सर्वे। जब ऊपर बात ही नहीं सुनी जाए तो प्रभारी का क्या मतलब है। विधानसभा के उप-चुनाव का जिक्र करते हुए लाखन सिंह यादव ने कहा कि, चुनाव के मतदान के बाद कमल नाथ से पूछा था कि कितनी सीटें जीत रहे हैं, तो उन्होंने कहा था कि सर्वे के अनुसार 26-27 सीटों पर कांग्रेस जीत रही है। हुआ क्या, सिर्फ नौ सीटें ही जीत पाए।

बिहार पहला राज्य बना, जिसने 12 विभागों को मिलाकर कृषि रोडमैप लागू किया

किसान सम्मान निधि से बिहार के 80 लाख किसानों को मिला लाभ : सुशील मोदी

पटना।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने शुक्रवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में केंद्र की राजग सरकार ने सस्ते ब्याज पर किसानों को कर्ज देने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत की गई थी उन्होंने कहा कि, इस पहल को आगे बढाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना लागू करने तक किसानों के लिए इतने काम किए कि बिहार के किसान नए कृषि कानून के मुद्दे पर विपक्षी दलों के बहकावे में नहीं आए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से बिहार के 80 लाख किसानों को अब तक लाभ मिल चुका है। पटना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राजद, कांग्रेस और वाम दलों के बहकावे में यहां के किसान नहीं आए। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष का भारत बंद बिहार में ऐसा फ्लॉप रहा कि राजद के नेता को राज्य छोड़कर भागना पड़ा। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से बिहार के 80 लाख किसानों को अब तक 6 हजार करोड़ रुपये भेजे जा चुके हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री मोदी ने कहा कि, राजग सरकार ने बिहार में कृषि विभाग का बजट 241 करोड़ से 2 हजार 41 करोड़ और पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग का बजट 73 करोड़ से 776 करोड़ रुपये तक किया। हर पंचायत में किसान सलाहकार और कृषि स्नातकों को कृषि समन्वयक की नियुक्ति भी हमारी सरकार ने की। मोदी ने दावा करते हुए कहा, बिहार पहला राज्य बना, जिसने 12 विभागों को मिलाकर कृषि रोडमैप लागू किया। गैररैयत किसानों को सरकारी योजना का लाभ देने की शुरूआत भी राजग ने की। किसानों को स्वायल हेल्थ कार्ड दिया और उन्हें नीमलेपित यूरिया उपलब्ध कराकर यूरिया की कालाबाजारी बंद कराई। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड पर सस्ता कर्ज लेने के दायरे में पशुपालकों और मछली पालकों को भी शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि 15 साल में लालू-राबड़ी की सरकार इनमें से एक भी काम नहीं कर पाई, जबकि राजग सरकार ने किसानों के लिए इतने काम किये कि कृषि क्षेत्र में बिहार की विकास दर पंजाब से ज्यादा हो गई। उन्होंने कहा, इन सभी कामों का सुफल था कि बिहार के किसान विपक्ष के साथ नहीं खड़े हुए। बंद के दौरान केवल राजनीतिक कार्यकर्ता सड़क पर उत्पात करते दिखे।

संक्षिप्त समाचार

सोनिया ने असम की विधायक अजंता नियोग को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित किया

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने असम की विधायक अजंता नियोग को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में शुक्रवार को निष्कासित कर दिया। कांग्रेस की ओर से विधायक को निष्कासित करने को लेकर यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि असम की पूर्व लोक निर्माण विभाग मंत्री नियोग ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की यात्रा के दौरान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की योजना बनाई है। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से नियोग के निष्कासन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अगर नियोग भाजपा में शामिल होती हैं, तो यह असम में कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका होगा। राज्य में 2016 के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तरुण गोगोई सरकार में मंत्री रहे हेमंत बिस्वा सरमा भी अपने कई पार्टी सहयोगियों के साथ भाजपा में शामिल हुए थे।

हैदराबाद : लोन ऐप घोटाले में पकड़े गए 4 लोगों में चीनी नागरिक भी शामिल

हैदराबाद। हैदराबाद में अवैध लोन ऐप्स मामले में जारी छापेमारी के बीच शुक्रवार को एक कॉल सेंटर पर छापे के दौरान गिरफ्तार चार लोगों में से एक चीनी नागरिक भी शामिल है। साइबराबाद की साइबर क्राइम पुलिस ने क्यूबेवो टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (स्काइलाइन) कॉल सेंटर पर छापा मारा और चार कर्मचारियों- चीनी नागरिक यी बाई उर्फ डेनिस, सत्य पाल ख्यालिया, अनिरुद्ध मल्होत्रा (दोनों राजस्थान के रहने वाले) और आंध्र प्रदेश के मुरथोटी रिची हेमंत सेठ को गिरफ्तार किया। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि एक अन्य चीनी नागरिक जिक्सिया झांग मामले का मुख्य आरोपी है और वह एक अन्य आरोपी उमापति उर्फ अजय के साथ फरार है। जिक्सिया ने उमापति के साथ मिलकर डिजिपेगों टेक प्राइवेट लिमिटेड की शुरुआत पिछले साल की थी। उन्होंने सिंगापुर स्थित जिकाई होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड की मदद से एक और कंपनी स्काइलाइन इनोवेशन टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को शामिल किया। उसने इंस्टेंट लोन ऐप्लिकेशंस विकसित किए और उन्हें गूगल प्ले स्टोर पर होस्ट किया। उसने भारत में विभिन्न स्थानों पर कॉल सेंटर के रूप में कुछ और कंपनियों की स्थापना की और ग्राहकों से पुनर्भुगतान एकत्र करने के लिए टेली कॉलर को काम पर रखा। कमिश्नर के अनुसार, आरोपी ने 11 इंस्टेंट लोन ऐप्लिकेशन विकसित किए जो व्यक्तियों को ऋण प्रदान करते हैं और ब्याज, प्रसंस्करण शुल्क, जीएसटी, डिफॉल्ट शुल्क, और ऋण अवधि की समाप्ति के बाद एक प्रतिशत जुर्माना सहित भारी भुगतान एकत्र करते हैं। वे चलाए जा रहे कॉल सेंटरों के माध्यम से डिफॉल्टरों को परेशान करते और धमकियां देते। उन्होंने कर्जदारों के रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों को फर्जी कानूनी नोटिस भेजकर कर्जदारों को ब्लैकमेल भी किया। लोन ऐप्स में लोन ग्राम, कैश ट्रेन, कैश बस, ट्रिपल ए कैश, सुपर कैश, मिंट कैश, हैप्पी कैश, लोन कार्ड, रीपे वन, मनी बॉक्स, मंकी बॉक्स आदि हैं। साइबर अपराध पुलिस स्टेशन ने हाल ही में एक नागरिक की शिकायत के बाद लोन ऐप्लिकेशन के खिलाफ आठ मामले दर्ज किए थे। शिकायतकर्ता ने कहा कि उसने 28 इंस्टेंट लोन ऐप से 1.20 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और हालांकि, उसने 2 लाख रुपये की ऋण राशि का भुगतान किया, लेकिन उसे अपमानजनक और धमकी भरे कॉल मिले। इन कंपनियों द्वारा विकसित किए गए ऐप्लिकेशंस साइबरबाद, हैदराबाद और राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट में दर्ज 11 अलग-अलग मामलों में शामिल थे। पुलिस ने बैंक खातों से दो करोड़ रुपये, दो लैपटॉप और चार मोबाइल फोन जब्त किए। यह पुलिस द्वारा की गई नवीनतम कार्रवाई है। इससे पहले 22 दिसंबर को हैदराबाद और साइबराबाद पुलिस ने हैदराबाद और गुरुग्राम में मारे गए छापे में 17 लोगों को गिरफ्तार करने की घोषणा की थी। पिछले सप्ताह ऑनलाइन लोन ऐप के कर्मचारियों द्वारा उत्पीड़न के कारण तीन लोगों द्वारा आत्महत्या करने के बाद पुलिस हरकत में आ गई। एक तकनीकी विशेषज्ञ और एक सरकारी महिला कर्मचारी उन लोगों में से थे जिन्होंने खुदकुशी कर ली थी। हैदराबाद पुलिस आयुक्त अंजनी कुमार ने कहा कि चार कंपनियों ने करोड़ों के अवैध कारोबार को चलाने के लिए लगभग 1,100 एक्जीक्यूटिव को काम पर रखा था। कंपनियों की पहचान लियुफैंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, हॉटफुल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, पिनपॉइंट टेक्नोलॉजीज और नैबलूम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के रूप में की गई थी और इन्हें बेंगलुरु में पंजीकृत किया गया था।

बेंगलुरू : कोरोना के डर के बीच श्रद्धालुओं ने विष्णु मंदिर के किए दर्शन

बेंगलुरु। कोरोना के भय के बीच भक्तों ने वैकुंठ एकादशी पर्व के अवसर पर बेंगलुरू के विभिन्न प्रमुख विष्णु मंदिरों में पूजा-अर्चना की। सभी मंदिरों ने सामाजिक दूरी जैसे कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया। जबकि कई मंदिरों ने स्वेच्छा से तीर्थ (पवित्र जल) का वितरण स्थगित कर दिया, इसके बजाय उन्होंने भक्तों को प्रसाद के रूप में लड्डु दिए। इसके अलावा, मंदिरों ने भक्तों के प्रवेश को भी प्रतिबंधित कर दिया है,क्योंकि त्योहार 10 दिनों से अधिक मनाया जाता है। कई प्रमुख विष्णु मंदिरों को विभिन्न प्रकार के फूलों से सजाया गया है। राज्य के प्रसिद्ध तिरुपति देवास्थानम जाने वाले भक्त पद्मनाभ राव ने आईएएनएस को बताया कि वैष्णव उपासक (विष्णु के अनुयायी) मानते हैं कि वैकुंठ द्वारम और भगवान के आंतरिक गर्भगृह का द्वार इस दिन खोला जाता है। उन्होंने कहा, चंद्र कैलेंडर में मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोक्षदा एकादशी के रूप में जाना जाता है। इस शुभ दिन पर दुनिया भर के विष्णु मंदिरों में विशेष पूजा, यज्ञ, प्रवचन और भाषण आयोजित किए जाते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)